राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

प्यासे के साथ नरगिस फाखरी...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 11 जनवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 22 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

Tamil Nadu Governor: तमिलनाडु में सत्ताधारी DMK और राज्यपाल में बढ़ा टकराव, जानें कौन हैं आरएन रवि ?

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि और सत्तारूढ़ द्रमुक के बीच गतिरोध में उस समय नया मोड़ आ गया जब मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा अध्यक्ष से केवल राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए भाषण को रिकॉर्ड पर लेने के लिए कहा और रवि विधानसभा से बाहर चले गए। यह कुछ दिनों बाद आया जब सत्तारूढ़ दल ने राज्यपाल को सुझाव दिया कि तमिझगम राज्य के लिए एक अधिक उपयुक्त नाम है। सितंबर 2021 में रवि के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनावपूर्ण संबंध रहे हैं। पिछले अप्रैल में स्टालिन सरकार ने कैबिनेट की कई सिफारिशों को मंजूरी देने में उनकी ओर से कथित देरी के विरोध में रवि द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का बहिष्कार किया था और एक दर्जन विधेयकों को पारित किया था। अप्रैल 1952 में बिहार में जन्मे रवि केरल–कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं और उन्हें 2014 में संयुक्त खुफिया समिति का अध्यक्ष नामित किया गया। उन्हें अक्टूबर 2018 में डिप्टी एनएसए नियुक्त किया गया था। 2014 से तमिलनाडु में उनके स्थानांतरण तक रवि ने वार्ताकार के रूप में कार्य किया। उस समय, डीएमके के मुखपत्र मुरासोली ने अपने संपादकीय में कहा था, ऐसा लगता है कि राज्यपाल रवि तमिलनाडु में भाजपा के वोट आधार को जहां भी बचा है, खराब करने पर आमादा हैं... अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के बजाय, राज्यपाल रवि तमिलनाडु में अनुचित राजनीति कर रहे हैं... ऐसा लगता है कि उन्होंने तमिलनाडु

भाजपा प्रमुख की अतिरिक्त भूमिका निभाने का भी फैसला किया है। पिछले अक्टूबर में राज्यपाल ने फिर से राज्य सरकार को झटका देते हुए कोयम्बटूर कार बम विस्फोट पर सरकार की प्रतिक्रिया की आलोचना की। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमले के कुछ घंटों के भीतर, यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक आतंकी हमला था। इस्तेमाल की गई सामग्री एक बड़ी साजिश का संकेत दे रही है। मैं तमिलनाडु पुलिस को श्रेय देता हूं। लेकिन सवाल यह है कि जब उन्होंने मामले को घंटों के भीतर सुलझा लिया, तो उन्हें एनआईए लाने में चार दिन क्यों लगे? ३तमिलनाडु पुलिस ने बहुत अच्छा काम किया। लेकिन यह भी एक साधन है... यह एनआईए को अंदर आने के लिए नहीं कह सकता है... जिन लोगों को वह फोन उठाना था, उन्होंने ऐसा करने में चार दिन लगा दिए। रवि तमिलनाडु आए, आलोचकों ने कहा कि उनका कथित रूप से टकराव वाला स्वभाव उनके द्वारा धारण किए जाने वाले संवैधानिक पद के साथ ठीक नहीं होगा। पदभार ग्रहण करने के एक महीने बाद, रवि की राज्य विभागों द्वारा योजनाओं के कार्यान्वयन पर प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत करने की मांग ने एक विवाद को जन्म दिया। जबकि कांग्रेस और अन्य दलों ने कड़ी आपत्ति जताई। एक संपादकीय में मुरासोली ने रवि की आईपीएस पृष्ठभूमि और नागालैंड में उनके कार्यकाल का जिक्र करते हुए लिखा, "यह नागालैंड नहीं, बल्कि तमिलनाडु है ३ शायद पुलिस विभाग के लिए डराने वाली रणनीति की आवश्यकता है और कई मौकों पर मददगार हो सकती है। लेकिन राजनीति में उन्हें यह महसूस करना चाहिए कि इस तरह की रणनीति से उन्हें कुछ हासिल करने में मदद नहीं मिलेगी।

राहुल गांधी वास्तव में पप्पू

मनोहर लाल खट्टर बोलेः वे जो कहते हैं उससे कांग्रेस शर्मिंदा है, बीजेपी नहीं

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा पंजाब में प्रवेश कर चुकी है। पंजाब में भारत जोड़ो यात्रा बुध ावार से शुरू होगी। आज राहुल गांधी पंजाब पहुंचने के बाद सीध ो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंचे। अपने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी भाजपा पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। इन सबके बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की समझ नहीं है कि आखिर राहुल गांधी का दर्शन क्या है। वे खुद कहते हैं कि राहुल गांध ी को राहुल गांधी ने मार दिया। खट्टर ने आगे कहा कि वे शिवभक्त बन जाते हैं, कभी वे शुजारियोंश को निशाने पर ले लेते हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी जो कहते हैं, उसकी वजह से कांग्रेस को शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है, भाजपा को नहीं। वह वास्तव में पप्पू हैं।

राहुल ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से एक दिन पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। वह इस यात्रा का हरियाणा का पड़ाव अंबाला में पूरा करने के बाद हवाई मार्ग से अमृतसर पहुंचे। केसरिया रंग की पगड़ी पहने राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में कतारबद्ध खड़े हुए और माथा टेका, अरदास में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। राहुल गांध ी ने स्वर्ण मंदिर की अपनी तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, "गुरु के द्वारे, श्री हरमंदिर साहिब पहुंच कर मानवीय मूल्यों में विश्वास और भी गहरा हो जाता है। सत श्री अकाल! "

इससे पहले राहुल ने आरएसएस का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा कि कौरव कौन थे? पहले मैं आपको 21वीं सदी के कौरवों के बारे में बताऊंगा। वे खाकी निकर पहनते हैं, हाथ में लाठी लेकर चलते हैं और शाखाएं लगाते हैं। भारत के दो–तीन अरबपति कौरवों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा था कि क्या पांडवों ने नोटबंदी या गलत जीएसटी जैसा कोई फैसला किया था? क्या वे ऐसा कभी भी करते? कभी नहीं। क्यों? क्योंकि वे तपस्वी थे और जानते थे कि नोटबंदी, गलत जीएसटी, कृषि कानून तपस्वियों को इस धरती से हटाने का तरीका है।

पीएम मोदी की हैदराबाद यात्रा से पहले खम्म में अपनी ताकत दिखाएंगे केसीआर

केजरीवाल–अखिलेश और विजयन होंगे साथ

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 19 जनवरी को हैदराबाद के एक दिवसीय दौरे से पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति पार्टी के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव 18 जनवरी को खम्मम शहर में एक विशाल जनसभा करेंगे। उसी दिन सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में विभिन्न विकास परियोजनाओं को संबोधित करने के लिए भी निर्धारित किया गया है। इससे पहले 9 जनवरी को मंत्री पुव्वाड़ा अजय कुमार और सांसद नामा नागेश्वर राव जैसे खम्मम के नेताओं ने मुख्यमंत्री से उनके सरकारी आवास प्रगति भवन में मुलाकात की। खुद को भारत राष्ट्र समिति का नया नाम देने के बाद खम्मम सभा पार्टी की पहली जनसभा होगी। पीएम मोदी की यात्रा से एक दिन पहले केसीआर ने समाजवादी पार्टी के मुखियाअखिलेश यादव और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी के अलावा दिल्ली, पंजाब और केरल के मुख्यमंत्रियों को अपनी बैठक के लिए निमंत्रण भेजने का फैसला किया है। पार्टी की नजर बीआरएस की पहली जनसभा के लिए दो लाख से अधिक समर्थकों की भारी भीड़ पर है। इस रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल होने की संभावना है। इस वर्ष प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य की पहली यात्रा के दौरान वह सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा पीएम मोदी सिकंदराबाद और महबूबनगर के बीच 1,231 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पटरियों के दोहरीकरण का शिलान्यास करेंगे। वह सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के 700 करोड़ रुपये के आधुनिकीकरण कार्यों का भी उद्घाटन करेंगे, इसके अलावा वारंगल के पास काजीपेट में 521 करोड़ रुपये की लागत से एक वैगन वर्कशॉप पर काम शुरू करेंगे।

कर्नाटक चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस, महिला वोट को साधने के लिए मैदान में उतरेंगी प्रियंका गांधी

बेंगलुरु। कर्नाटक में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कर्नाटक में कांग्रेस की नजर महिला वोट पर है। यही कारण है कि प्रियंका गांधी 16 जनवरी को कर्नाटक दौरे पर जा रही हैं। प्रियंका गांधी के इस दौरे को कर्नाटक चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर कर्नाटक कांग्रेस के नेताओं ने तैयारी भी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक प्रियंका गांधी अपने इस दौरे के दौरान कर्नाटक में कांग्रेस के पक्ष में महिलाओं को साधने की कोशिश करेंगी। इसके लिए कांग्रेस की ओर से विशेष मेनिफेस्टो सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना बनी है। प्रियंका गांधी के इस दौरे से पहले कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने एक ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भी लॉन्च कर दिया है। उन्होंने इसके बाद महिलाओं से एक अनुरोध भी किया है। उन्होंने कहा है कि महिला मेनिफेस्टो के लिए अपनी मांगों को बताएं।

आरएसएस पर भी भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव

दिग्विजय सिंह बोले- क्या हमें कभी उम्मीद थी कि मोहन भागवत मस्जिद जाएंगे?

भोपाल। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। फिलहाल यह यात्रा पंजाब में है। इन सबके बीच भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने बड़ा बयान दिया है। दिग्विजय सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी पड़ा है। अपने बयान में दिग्विजय ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रभाव न केवल हमारे सहयोगियों पर बल्कि आरएसएस पर भी है। क्या हमें कभी उम्मीद थी कि मोहन भागवत मस्जिद जाएंगे? इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) भी ऐसा करने लगे हैं, वे शहिंदू राष्ट्रश

की बात करते हैं लेकिन संविधान में इसका उल्लेख नहीं है।

इसके साथ ही दिग्विजय सिंह ने कहा कि यानी उन्हें संविधान पर भरोसा नहीं है, फिर वे चुनाव क्यों लड़ते हैं, शपथ क्यों लेते हैं? ये दोमुंहे बयान अच्छे नहीं लगते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि स्पष्ट करें कि क्या वे भारत के संविधान पर भरोसा करते हैं और नहीं तो आगे आएं। आपको बता दें कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग पर स्थित मंदिर में पहुंचे थे। यहां उन्होंने ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद इल्यिासी से मुलाकात की थी। इसके अलावा उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी और दिल्ली के पूर्व उप राज्यपाल नजीब जंग सहित कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों से भी मुलाकात की थी। इसी को लेकर दिग्विजय सिंह ने यह बयान दिया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से एक दिन पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर पहुंचे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, भारत जोड़ो यात्रा का 116वां दिन हरियाणा के अम्बाला में पूरा हुआ। बुधवार को सुबह पंजाब में यह यात्रा आरंभ होगी। अमृतसर में पवित्र स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद यात्रा आरंभ करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यात्रा गत बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश से पानीपत के रास्ते हरियाणा में दाखिल हुई थी। यह पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र से होकर अंबाला तक पहुंची। गत 21 से 23 दिसंबर के बीच भी यह यात्रा हरियाणा के मेवात, फरीदाबाद और कुछ अन्य इलाकों से गुजरी थी।

Maharashtra political crisis: अपीलों पर 14 फरवरी से न्यायालय में होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह महाराष्ट्र में शिवसेना के विभाजन से उत्पन्न राजनीतिक संकट से संबंधित याचिकाओं पर 14 फरवरी को सुनवाई शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच–न्यायाधीशों की संविधान पीठ से उद्धव ठाकरे शिवसेना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वह महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट संबंधी मामलों को सात सदस्यीय पीठ के पास भेजे जाने का अनुरोध करेंगे, ताकि वह अयोग्यता संबंधी याचिकाओं के निपटारे के लिए विधानसभा अध यक्षों की शक्तियों से जुड़े 2016 के फैसले पर फिर से विचार करे। सिब्बल ने पीठ से कहा "हमने सात–न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष, मामलों के संदर्भ में ब्यौरे दाखिल किए हैं। उन्होंने (शिवसेना के, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाले धड़े ने) जवाब दाखिल किया है।" पीठ में न्यायमूर्ति एम आर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा "हम इसे सुनवाई के लिए 14 फरवरी को रखेंगे।"

एयरपोर्ट पर बस में इंतजार करते रहे 54 यात्री, सभी को छोड़ उड़ गई GO First की फ्लाइट

बेंगलुरु। जरा सोचिए, आप फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पर हो और सारी प्रक्रिया पूरी कर बस से प्लेन तक जाने के लिए निकले। लेकिन आपको पता चले कि आपके रनवे पर पहुंचने से पहले ही विमान तो निकल चुकी है। कुछ ऐसा ही नजारा बेंगलुरु एयरपोर्ट पर देखने को मिला जब 54 यात्रियों को छोड़ गो फर्स्ट एयरलाइन के विमान ने उड़ान भर लिया। ग्राउंड स्टाफ और चालक दल के बीच गलतफहमी के एक चौंकाने वाले मामले में घरेलू एयरलाइन गो फर्स्ट की एक उड़ान केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बस में फंसे 54 यात्रियों को छोड़कर दिल्ली के लिए रवाना हो गई। अपनी गंभीर गलती को महसूस करते हुए एयरलाइन ने यात्रियों को चार घंटे बाद दूसरे विमान से दिल्ली भेजा। घटनाओं का अप्रत्याशित मोड़ सोमवार को लगभग 5.45 बजे सामने आया, जब यात्रियों को बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली गो फर्स्ट फ्लाइट ळ8 116 में सवार होना था। यात्रियों को टरमैक पर प्रतीक्षारत हवाई जहाज तक ले जाने के लिए कुल चार बसें किराए पर ली गई थीं। जवाब के लिए टाइम्स ऑफ इंडिया ने गो फर्स्ट से संपर्क करना चाहा, लेकिन एयरलाइन ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

फंसे हुए यात्रियों को दूसरी उड़ान के लिए नए पास दिए गए

यात्री सुमित कुमार ने दर्दनाक क्षणों को याद करते हुए कहा कि हम तीसरी बस में थे। अन्य तीन बसों ने यात्रियों को फ्लाइट तक पहुँचाया और इसमें चौथी बस के पाँच यात्री शामिल थे। मेरा मित्र, जो मेरे साथ यात्रा कर रहा था, विमान में सवार हुआ और मुझे बताया कि विमान उड़ान भरने वाला है। मैंने भ्रम की स्थिति को लेकर बारे ग्राउंड क्रू को आवाज लगाई कि विमान हमारे बिना जा रहा था। कुमार ने कहा कि ग्राउंड स्टाफ को पता नहीं था क्योंकि हम सभी के पास वैध बोर्डिंग पास थे। इस गड़बड़ी से हवाईअड्डे के अधिकारी हैरान रह गए और उन्होंने यात्रियों को समझाने की कोशिश की। अंत में, कर्मचारियों ने सभी 54 फंसे हुए यात्रियों को प्रस्थान क्षेत्र से बाहर निकाला और उन्हें दूसरी उड़ान में समायोजित करने के लिए नए बोर्डिंग पास जारी किए।

एसडीएम के चालक के सरकारी आवास से तीन लाख के जेवर सहित नकदी चोरी

एसडीएम व सीओ आवास के ठीक सामने है चालक का आवास

सिधौली (सीतापुर) । कस्बे के नरोत्तम नगर के एसडीएम व सीओ आवास के ठीक सामने स्थित सरकारी आवास के एक घर में दिन दहाड़े बेखौफ चोरों ने एसडीएम चालक के घर की बाउंड्री फांद कर कमरे का दरवाजा व अलमारी तोड़ लगभग साढ़े तीन लाख के जेवर व नगदी चुरा ले गये। पीड़ित द्वारा नामजद तहरीर कोतवाली सिधौली में दी है। वहीं इस घटना से पुलिस महकमे में भी हड़कम्प मचा हुआ है। बेखौफ चोरों ने पुलिस महकमें के नाक के नीचे इस चोरी को दिन दहाड़े अंजाम दिया। जबकि सीओ व एसडीएम आवास पर लगभग आधा दर्जन से अधिक पुलिस कर्मी व गार्ड लगे रहते हैं। मनबढ़ चोरों द्वारा की गई चोरी से हड़कम्प मचा हुआ है। बताते हैं कि रामचन्द्र मिश्र कस्बे के नरोत्तम नगर उत्तरी स्थित तहसील के सरकारी क्वार्टर में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहते हैं व एसडीएम का सरकारी वाहन चलाते हैं।

रामचन्द्र ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ माता चन्द्रिका देवी दर्शन हेतु बख्सी का तालाब लखनऊ गए हुए थे। शाम को जब वह लोग वापस आये तो उनके घर के कमरे व अलमारी का ताला टूटा पड़ा हुआ था। पुलिस को उनकी पत्नी ममता मिश्र ने तहरीर देते हुए बताया है कि एक तोले की एक सोने की चौन, चार सोने की अंगूठी, दो जोड़ी सोने के टाप्स, 6 जोड़ी पायल, 6 जोड़ी बिछिया व 70 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ले गये। उन्होंने सचिन मिश्र उर्फ रोमी पुत्र सर्वेश दिपांसु मिश्रा उर्फ मोनू पुत्र अज्ञात, सचिन तिवारी पुत्र अज्ञात, मुनीर अहमद पुत्र अज्ञात, हर्षित मिश्र उर्फ प्रखर पुत्र रामचन्द्र मिश्र के नामजद तहरीर दी है।

धूमधाम से केक काटकर मनाया गया गौवंश का जन्मदिन

महोली देहात (सीतापुर)। ब्लॉक पिसावां के ग्राम पंचायत मूड़ासानी के पूर्व ग्राम प्रधान ने गौ वंश का जन्म दिवस बड़े ही धूमधाम तरीके से मनाया। उन्होंने इस अवसर पर गौमाता के बछिया का तिलक, वंदन व माल्यार्पण कर केक काटा। लोग अपने बच्चों का जन्मदिन तो बड़े धूमधाम से मनाते हैं लेकिन शायद इस क्षेत्र में यह पहला अवसर होगा कि गौ माता के बछिया का जन्मदिन नए प्रकार से मना कर गोवंश संरक्षण की नई पहल की गई। इस दौरान जन्मदिन पर आए हुए मुख्य अतिथि मिथिलेश यादव ब्लाक प्रमुख (पिसावां) व पूर्व जिला पंचायत मनोज मिश्रा एवं केसरिया हिंदू वाहिनी गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी कुलदीप बाजपेई तथा भाजपा के पिसावां मंडल अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह ने बछिया को तिलक वंदन व फूल–माला पहनाकर पूजन किया।

जिस उपरांत केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर पूर्व प्रधान कमलेश सिंह के द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा की इस प्रकार के आयोजनों से लोगों के बीच गौ माता के प्रति दया व प्रेम की भावना जागृत होती है। गौमाता में समस्त देवी देवताओं का वास है भारतीय समाज में गाय को गौ माता कहा जाता है। उसके शरीर में समस्त देवी देवता और तीर्थ निवास करते हैं। गाय के गोबर में श्री लक्ष्मी और गोमूत्र में श्री गंगा जी का वास है। इन सब मान्यताओं के बावजूद भी हमारे देश में गाय की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। गाय के प्रति हमारा पूज्य भाव तो है लेकिन प्रिय भाव नहीं है। गोपालन शास्त्रीय तरीके से नहीं हो रहा है। वेदों में स्पष्ट लिखा है कि गांव रुद्र की माता और पशुओं की पुत्री है जो पुण्य अश्वमेघ या अनेक यज्ञों को करने से मिलता है। वह पुण्य मात्र गौ माता की सेवा करने से ही प्राप्त हो जाता है। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख मिथिलेश यादव (पिसावां), पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज मिश्रा, केसरिया हिंदू वाहिनी गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी कुलदीप बाजपेई, जिला प्रभारी सुनील शुक्ला, विधानसभा प्रभारी प्रेम शंकर तिवारी, ब्लॉक मीडिया प्रभारी प्रभाकर शुक्ला, जिला मीडिया प्रभारी अमित मिश्रा, तहसील कार्यक्रम प्रमुख शुभम श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

पत्रकारों को भी किया गया सम्मानित

गोवंश के जन्मदिन के अवसर पर पूर्व प्रधान कमलेश सिंह के द्वारा पत्रकारों को भी माला पहना कर व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। जिसमें संजय मिश्रा, अमित मिश्रा, प्रभाकर शुक्ला तथा प्रेम दीक्षित को सम्मानित किया।

संस्कृति हमारें एकता को अखण्ड करने का सबसे बड़ा साधन : अश्वनी चौबे

विशिष्ट योगदान देने वालों को अयोध्या रत्न व अयोध्या गौरव सम्मान

अयोध्या । केन्द्रीय राज्यमंत्री अश्वनीचौबे के अयोध्या महोत्सव के समापन कार्यक्रम पर आगमन के दौरान परिवेश में लोकपरम्परा, कला व संगीत के रंग समा गये। लोककलाकारों के द्वारा फोक नृत्य व देशभक्ति गीत पर सीआरपीएफ के जवानों की प्रस्तुति पर तालियों के तीव्र स्वर से वातावरण गुंजायमान हो गया। विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वालों को अयोध्या रत्न तथा अयोध्या गौरव सम्मान दिया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री अश्वनी चौबे ने कहा कि अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण प्रारम्भ हो गया। यह केवल शुरुवात है। हमें रामराज्य की स्थापना करनी है। इसके साथ में राम के आदर्श, आचरण, न्याय, दर्शन का प्रसार हमें करना है। संस्कृति हमारें एकता को अखण्ड करने का सबसे बड़ा साधन है। अयोध्या महोत्सव द्वारा इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का वीजारोपण किया जा रहा है।

से अयोध्या के संतो का सानिध्य भी प्राप्त है। इस अवसर पर अयोध्या रत्न से वैदेही वल्लभ शरण को अध्यात्म, विनोद श्रीवास्तव को उच्च शिक्षा, विशाल सिंह नगर आयुक्त को प्रशासन, रुदौली विधायक रामचन्दर यादव को राजनीति क्षेत्र, अम्बिकेश त्रिपाठी को प्राथमिक शिक्षा, डा अम्बरीश श्रीवास्तव को कला, रेगन सिंह चौधरी को खेल प्रशिक्षक, मु0 आकिब खान को एथलीट, सौमित्र दूबे को समाजसेवा, संजोली पाण्डेय को संगीत के लिए नवाजा गया। वहीं अयोध्या गौरव से सीआरपीएफ कमांडेंट छोटेलाल, कृषि वैज्ञानिक डा देवराज सिंह, चिकित्सा में डा जयंती चौधरी व डा शिवेन्द्र सिन्हा, डा जीपी गुप्ता, विशिष्ट उपलब्धि हेतु अशोक द्विवेदी, खाकी वाले गुरुजी के नाम प्रसिद्ध रंजीत यादव, पशु चिकित्सक डा आशीष पाण्डेय को दिया गया। इससे पहले आयोजित अयोध्या आइडल को जज इण्डिया बेस्ट डांसर फेम राज शर्मा वह हिमांशी पॉप व इलाहाबाद के श्यामजीत ने किया। जिसमें गायन सीनियर में फर्स्ट अनन्या पांडेय सेकंड सिद्धांत थर्ड अंजलि कसौधन टॉप फोर लखनऊ के शुभम् श्रीवास्तव टॉप 5 रही काजल चौधरी, गायन जूनियर में फर्स्ट सानिया मुहम्मदी सेकंड सार्थक थर्ड लीरी सिंह टॉप 4 शिवंगी रही, डांस सीनियर में फर्स्ट गुरप्रीत कौर सेकंड नव्या पांडेय थर्ड अभिनय पांडेय वह टॉप 4 विशाल साहू टॉप 5 रुद्र गुप्ता रहे। डांस जूनियर में फर्स्ट सृष्टि सोनी सेकंड डिंपल निषाद थर्ड नीरज, टॉप 4 दिव्या निषाद बदलापुर के देव टॉप 5 टॉप 6 पे अलिशा खघन रही वही डांस ग्रुप में फर्स्ट एक्सप्रेशन गर्ल सेकंड अंकित आनंद थर्ड नटराज ग्रुप और टॉप 4 जौनपुर के रॉकस्टार ग्रुप रहे। इस अवसर पर महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, विधायक रामचन्दर यादव व अमित सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, डा विक्रमा प्रसाद पाण्डेय, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू, अयोध्या महोत्सव के महासचिव आकाश अग्रवाल, अरूण द्विवेदी, सचिव नाहिद कैफ, विवेक पाण्डेय, एसबी सागर प्रजापति, विजय यादव, मोहित मिश्र, कार्यक्रम प्रभारी रेगन सिंह चौधरी, रवि चौधरी, ऋचा उपाध्याय, श्रुति श्रीवास्तव, उज्जवल चौहान, निकिता चौहान, पूजा अरोड़ा, राजेश गौड़, गौतम सिंह उज्जवल चौहान अभिनव आदि उपस्थित रहे।

नगर निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग का आरक्षण हो लागू

रूदौली–अयोध्या । भारतीय ओबीसी महासभा के नवागत जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव के नेतृत्व में राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी स्वप्निल यादव को सौप कर नगर निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग का आरक्षण में प्रतिनिधित्व लागू व देश मे ओबीसी की जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराने हेतु आरक्षण की व्यवस्था प्रदान किया गया है लेकिन सरकार की अपर्याप्त तैयारी व विधि सम्मत सर्वेक्षण न कराए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी तक चुनाव कराने की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है।जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव ने मांग की है कि विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए और ओबीसी वर्ग का नगर निकाय चुनाव में आयोग के गठन के बाद प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कराकर चुनाव कराए जाएं।इसके अलावा देश मे ओबीसी की जातिगत जनगणना शीघ्र कराई जाए जोकि सामाजिक न्याय और हिस्सेदारी के लिए जरूरी है। इस अवसर पर एडवोकेट सन्दीप यादव, सुरेंद्र यादव,रमेश कुमार ,मनोज यादव ,गुड्डू लोधी, राजू वर्मा,राम प्रकाश यादव व अन्य लोग मौजूद रहे।

परिवहन विभाग ने ट्रैक्टर–ट्रॉली में लगवाया रेडियम टेप

अयोध्या । परिवहन विभाग की ओर से मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के तहत बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड की इकाई रौजागांव में 110 ट्रैक्टर ट्रॉली में रेडियम टेप लगवाया गया। एआरटीओ प्रवर्तन प्रवीण कुमार सिंह ने कहा कि कोहरे में सड़क हादसों की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में बेहद सावधानी के साथ वाहनों को चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोहरा होने पर फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। वाहन को मोड़ने से पहले इंडिकेटर अनिवार्य रूप से जलाएं। सड़क पर सफेद पट्टी के सहारे चलें। वाहनों से उचित दूरी बनाए रखें। वाहन का म्यूजिक सिस्टम बंद रखें और रेडियम टेप अवश्य लगाएं। यातायात के छोटे–छोटे नियम बड़े सड़क हादसों को रोकने में सहायक हैं। कार्यक्रम में किसानों को यातायात चिन्ह युक्त पंफलेट भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में यात्री कर अधिकारी संदीप चौधरी,प्रवर्तन प्रवेक्षक राम सिंह. दुर्गेश सिंह, बालगोविन्द इकाई प्रमुख सुधीर कुमार, महाप्रबंधक गन्ना इकबाल सहायक महाप्रबंधक गन्ना प्रदीप कुमार, सहायक महाप्रबंधक गन्ना हरदयाल सिंह,गन्ना प्रबंधक विकास सिंह,उप गन्ना प्रबंधक अजीत राय, सहायक गन्ना प्रबंधक अमित कुमार सिंह, सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार पांडेय तथा कृषक गण बालगोविंद सिंह,महेश शर्मा, अरविन्द कुमार, बृजेन्द्र,धीरज कुमार आदि सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

मुर्गी पालन करने पर 10 वर्षों लिए बिजली शुल्क होगी माफ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आरबी सिंह ने

बताया कि रोजगार की संभावनाएं बढ़ाने एवं नौकरियों के सृजन के लिए पशुपालन विभाग द्वारा कई योजनाओं का संचालन किया रहा है जिसमें की बकरी पालन, भेड़ पालन, सूकर पालन, मुर्गी पालन इकाई स्थापित करने के लिए सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुर्गी पालन इकाई स्थापित करने पर लाभार्थी को बैंक से प्राप्त ऋण पर 5 वर्ष तक 7: ब्याज की प्रतिपूर्ति की जाएगी। परियोजना का वित्तपोषण 30: मार्जिन मनी तथा 70: अधिकतम ऋण पर ब्याज के अनुपात में होगी। कुक्कुट इकाई स्थापित करने पर विद्युत बिल में 10 वर्षों तक इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी की शत–प्रतिशत पर पूर्ति विभाग के बजट से की जाएगी। नेशनल लाइव स्टॉक मिशन के अंतर्गत बकरी पालन भेड़ पालन सूकर पालन इकाई स्थापित करने पर पर 50: अनुदान दिया जाएगा।

कबड्डी पुरुष में रेड, पिंक व महिला में यलो हाउस का जलवा

–कृषि विवि में तीन दिवसीय पारंपरिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

मिल्कीपुर–अयोध्या । आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मुख्य खेल मैदान पर तीन दिवसीय परंपरिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह के दिशा–निर्देशन में खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन निदेशक प्रसार डा. ए.पी राव ने किया। प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष व महिला टीम की कबड्डी प्रतियोगिता व महिलाओं की किटकिट प्रतियोगिता हुई। कबड्डी प्रतियोगिता पुरुष वर्ग में पहला मैच रेड हाउस और यलो हाउस के बीच में खेला गया। जिसमें यलो हाउस ने 19 अंक हासिल किया। रेड हाउस ने 34 अंक हासिल करते हुए यलो हाउस को करारी शिकस्त दी। पुरुष वर्ग में दूसरा मैच ब्लू और पिंक हाउस के बीच खेला गया। जिसमें पिंक हाउस ने 41 अंक के साथ ब्लू हाउस को पराजित कर दिया।

ब्लू हाउस को 31 अंक पर ही संतोष करना पड़ा। कबड्डी प्रतियोगिता महिला वर्ग का पहला मैच पिंक हाउस और यलो हाउस के बीच खेला गया। यलो टीम ने 17 अंक हासिल कर पिंक हाउस को चार अंकों से पराजित कर दिया। पिंक हाउस की टीम 13 अंक पर ही सिमट कर रह गई। वहीं दूसरी तरफ छात्राओं ने किटकिट खेल प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का पहला मैच रेड हाउस व ग्रीन हाउस के बीच खेला गया। रेड हाउस की श्रेयासी ने अधिक अंक हासिल करते हुए ग्रीन हाउस को सिकस्त दी। इसी क्रम में दूसरा मैच यलो और पिंक हाउस के बीच खेला गया जिसमें यलो हाउस की शिवानी यादव ने अधिकतम अंक हासिल करते हुए पिंक हाउस को पराजित किया। खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा प्रभारी डा. संजय पाठक के नेतृत्व में हुआ।

खेल में रेफरी की भूमिका डा. देवनारायण पटेल व अभिषेक सिंह ने निभाई। खेल की स्कोरिंग कबड्डी अध्यक्ष अमरनाथ सिंह ने की। प्रतियोगिता के दौरान कुलपति के सचिव डा. जसवंत सिंह, डा. एसपी सिंह, डा. अखिलेश सिंह, डा. भानुप्रताप सिंह, डीएवी प्राचार्या पुष्पा कुमारी, डा. मनोज सिंह, डा. रमेश प्रताप सिंह, पंकज सिंह, डा. स्मिता नितिन, डा. समीर, डा. ऋषिकांत सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

ठंड को लेकर कक्षा 1 से 12 तक के स्कूल 14 जनवरी तक बंद

अयोध्या । कड़ाके की ठंड को देखते हुए डीएम नितिश कुमार ने छुट्टी के आदेश जारी कर दिए हैं। कक्षा एक से 12 तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों में 14 जनवरी तक अवकाश रहेगा। कक्षा नौ से 12 तक की कक्षाएं आनलाइन चलाने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि जनपद में शीतलहरी संबंधित मौसम विभाग के पूर्वानुमान एवं तापमान के दृष्टिगत रखते हुए जनपद में संचालित सभी बोडों से मान्यता प्राप्त प्री प्राइमरी से कक्षा 8 तक के विद्यालयों में दिनांक 14 जनवरी तक पूर्ण अवकाश रहेगा ।किसी भी बोर्ड से मान्यता प्राप्त में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों, जिसके प्री बोर्ड्ध प्रायोगिक परीक्षायें संचालित ध प्रस्तावित नहीं है, उन विद्यालयों में दिनांक 14 तक अवकाश रहेगा, उनकी कक्षाओं का संचालन आनलाइन माध्यम से किया जा सकता है। इसके लिए अलावा कक्षा 9 से कक्षा 12 के ऐसे विद्यार्थी, जिनके प्री बोर्ड व प्रायोगिक परीक्षायें प्रस्तावित हैं उनका समय प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 2.00 बजे तक रखा जायेगा। ऐसे विद्यार्थियों की कक्षाओं में ठण्ड से बचाव के लिए पर्याप्त प्रबन्ध करने की जिम्मेदारी विद्यालय प्रबन्ध तंत्र की होगी। ऐसे विद्यार्थियों को बाहर खुले में नहीं बैठाया जायेगा और विद्यार्थी ऐसे गर्म कपड़े जो ठण्ड से बचाव करने में सक्षम हों उन्हें पहनकर ही विद्यालय जाएं। निर्देशित किया गया है कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। अन्यथा की स्थिति पाये जाने पर इसे गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी।

जनपद स्तरीय निवेशक सम्मेलन के सफल आयोजन के लिये तैयारी शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद में औद्योगिक संभावनो

को बढ़ावा देने के लिए एवं निवेशकों को प्रोत्साहित किए जाने के लिए जनपद में 18 जनवरी को एक दिवसीय निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। एक दिवसीय निवेशक सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए 15 विभागों की अंतर्विभागीय बैठक डीएम डॉ महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में डीएम ने खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइल एंड गारमेंट्स, डेयरी फार्म एवं डेयरी उत्पाद, कुक्कुट पालन, भेड़ पालन, बकरी पालन,पर्यटन,रेशम उद्योग आदि क्षेत्रों में विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में सब्सिडी देते हुए अधिक से अधिक निवेशकों को निवेश के लिए प्रोत्साहित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनपद में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की काफी संभावनाएं हैं, होटल उद्यमियों को निवेश के लिए प्रेरित किया जाए, इसी तरह हथकरघा क्षेत्र में निवेश की प्रबल संभावनाएं कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए जनपद में उद्योग लगाने के लिए निवेशकों को प्रेरित करें। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग राजेश कुमार पांडे ने बताया कि एकदिवसीय निवेशक सम्मेलन में 1500 करोड़ का निवेश जनपद में लाया जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें की 15 विभागों की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संजीव कुमार मौर्य, अपर जिला अधिकारी प्रदीप कुमार, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, सहायक पर्यटन अधिकारी, सहायक रेशम अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, सहायक प्रबंधक उद्योग अखिलेश कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक अनिल कुमार ओंमकार व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला मजिस्ट्रेट ने साप्ताहिक बन्दी के लिये जारी किया आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम, 1962 की धारा–8 एवं उत्तर प्रदेश दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान नियमावली, 1963 के नियम–6 के अन्तर्गत जनपद बलरामपुर के क्षेत्रोंध बाजारों में साप्ताहिक बन्दी हेतु जिला मजिस्ट्रेट, बलरामपुर डॉ0 महेन्द्र कुमार द्वारा आदेश जारी किया गया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र, बलरामपुर दिन मंगलवार, नगरपालिका क्षेत्र उतरौला सोमवार, अधिसूचित नये क्षेत्र रेहरा बाजार मंगलवार, अधिसूचित नये क्षेत्र श्रीदत्तगंज रविवार, नगर पंचायत तुलसीपुर व पचपेड़वा सहित अधिसूचित नये क्षेत्र साहदुल्लानगर, महराजगंज एवं गैंसड़ी सोमवार को स्थित दुकानध्वाणिज्य प्रतिष्ठान बन्द रहेंगें। इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन न किये जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जायेगी।

सड़क पर आमजनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरुक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के संबन्ध में जनमानस में सड़क सुरक्षा यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से 04 फरवरी, 2023 तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। सड़क पर आमजनमानस को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु यातायात नियमों से सम्बन्धी हैण्डबिल, पम्पलेट आदि का वितरण किया गया तथा लोगो को यातायात नियमों के पालन की अपील की गयी। लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीटवेल्ट का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गया तथा कोहरे के समय अपने वाहन में रिफ्लेटर टेप लगाने एवं उल्टी दिशाध्ओवरस्पीड में वाहन का संचालन न करने की अपील की गयी। सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय परिसर में वीडियों क्लिप एवं पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से यातायात नियम के बारें में निरन्तर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त एम0पी0पी0 इण्टर कॉलेज बलरामपुर में जिला विद्यालय निरीक्षक एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बलरामपुर के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सी0बी0एस0सी0 बोर्ड के विद्यालयों के प्रधानाचार्य को आमंत्रित किया गया जिसमें बच्चों को आने–जाने हेतु प्रयुक्त होने वाले वाहनों के चालक के ड्राइविंग लाइसेन्स एवं चरित्र सत्यापन, फिटनेस एवं विद्यालय वाहन सुरक्षा समिति की बैठक समय से कराये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि विद्यालयोंध्स्कूलों में सड़क सुरक्षा माह के तहत छात्रध्छात्राओं के मध्य यातायात नियम सम्बन्धी प्रतियोगिताध्प्रदर्शनी आयोजित कराएं जाए। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक गोविन्द राम, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अरविन्द कुमार यादव, सीओ ट्रैफिक ज्योति श्री, आर0आई0 प्रदीप कुमार, समस्त प्रधानाचार्य, प्रवक्ता सुरेश कुमार मौजूद रहे।

विद्यालय से चोरों ने की बैटरी चोरी

मिल्कीपुर–अयोध्या । कुमारगंज थाना से चंद कदम की दूरी पर एक निजी विद्यालय में लगे सोलर लाइट की बैटरी को अज्ञात चोर खोल कर उठा ले गए घटना की सूचना विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कुमारगंज थाना पहुंचकर अज्ञात चोरों के नाम तहरीर दी है। एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद भी पुलिस जांच का बहाना बताकर अभी तक मुकदमा पंजीकृत नहीं किया है। यही नहीं थाना प्रभारी कुमारगंज शिवबालक ने पीड़ित को हिदायत के तौर पर घटना की जानकारी किसी पत्रकार को न देने की बात भी कही है। वहीं दूसरी ओर खंडासा मोड़ पर एक चोरी की घटना हो चुकी है। अभी तक चोरों का सुराग नहीं लग सका।

ठंड के कहर से नगरपालिका विस्तारित क्षेत्र वासी परेशान, अलाव की कोई व्यवस्था नहीं

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के विस्तारित क्षेत्रों में इन दिनों नागरिक ठंड के कहर से परेशान है प्रशासन भी उनकी सुध लेने के लिए तैयार नहीं है आपको बता दें कि 2022 में नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को विस्तारित करते हुए लगभग 27 ग्राम पंचायतों को जोड़ा गया है। जो अब नगरपालिका के क्षेत्र में आ रहे हैं अभी तक नगर पालिका अध्यक्ष के रहने पर जहां ठंड के दिनों में अलाव की व्यवस्था भरपूर होती रही है। जिस के नाते कभी भी विस्तारित क्षेत्र के लोग ठंड से परेशान नहीं हुए थे। लेकिन इस बार नगर पालिका अध्यक्ष के ना रहने और नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के नतीजे विस्तारित क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। आपको बता दें कि विस्तारित क्षेत्रों में जहां ग्रामीण क्षेत्रों से लोग जुड़े हुए हैं वही अलाव की कोई व्यवस्था ना होने से सभी परेशान नजर आ रहे हैं। भीमापार, मधुकरपुर, सेमननार, परसा महापात्र, साड़ी, बसडीलिया, पकड़ी आदि जगहों पर अलाव ना जलने के नाते लोग परेशान नजर आ रहे हैं जिसकी जिम्मेदारी कोई भी लेने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि नगरपालिका के अधिकारियों को बार–बार अनुरोध किया जा रहा है लेकिन किसी भी चौराहे पर अलाव की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं है अलाव की जो भी व्यवस्था की गई है वह मात्र जिला मुख्यालय के अंदर है लेकिन विस्तारित क्षेत्रों में नहीं है। इस बारे में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नगरपालिका केवल जिला मुख्यालय के लोगों की सुविधा दे रही है। कहीं भी सुविधा के नाम पर विस्तारित क्षेत्र को कुछ भी नहीं मिल रहा है आपको बता दें कि विस्तारित क्षेत्रों में जहां सड़कें और नालियों की व्यवस्था पहले से ही बदहाल स्थिति में है वही अलाव के ना जलने से स्थिति और भी भयंकर हो गई है।

जीएसटी अधिकारियों के साथ व्यापारियों का हुआ बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन ने मंगलवार

को नगर पालिका सभागार सिद्धार्थनगर में जीएसटी अधिकारियों से बैठक किया गया उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अजय कसौधन ने बताया कि सभी छोटे बड़े व्यपारी अचानक जीएसटी विभाग द्वारा छापेमारी की गई जिससे सभी छोटे बड़े व्यापारी दुकान बंद करने को मजबूर हो गए है अगर किसी भी दुकान को जांच ही करना है तो पहले नोटिस दे उसके बाद ही जांच करे और जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले के व्यापारी दहशत से व्याप्त है जिसे उत्पीड़न से बचाया जा सके और बाजार बहाल किया जाय इस बैठक में डिप्टी कमिश्नरध्वाणिज्य अधिकारी भी मौजूद रहे। इस बैठक में उपस्थित वरिष्ठ महामंत्री प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, महामंत्री भीम चंद्र कसौधन, राकेश दत्त त्रिपाठी, अभिलाष जायसवाल, नीरज जायसवाल, आशीष जायसवाल आदि व्यापारी रहे मौजूद।

पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना की पुलिस ने

मंगलवार को धारा 366 आईपीसी से सम्बंधित वांछित अभियुक्त हबीबुर उर्फ हबीबुल वशर 20 वर्ष, पुत्र उमर साकिन सबेया थाना रामनगर जनपद बेतिया बिहार को गिरफ्तार कर न्यायालय सदर भेजा है। यह जानकारी एसएचओ बलजीत राव ने दी है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम एसआई रामकुमार राजभर, मुस्तकीम अंसारी आदि शामिल रहे।

प्री बोर्ड व वार्षिक गृह परीक्षा 16 से

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। कस्बा के किसान इंटर कालेज उसका बाजार के यूपी बोर्ड द्वारा संचालित हाई स्कूल व इंटर मीडिएट बोर्ड परीक्षा 2023 में भाग लेने वाले बच्चों की प्री बोर्ड परी क्षा व वार्षिक गृह परी क्षा 16 जनवरी से सुबह 10 बजे से शुरू होगी। यह जानकारी प्रधानाचार्य गोपेश्वर चौबे ने दी हैं।

नहर पर पेड़ कटान की शिकायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बजहा सागर से निकलकर जाने वाली नहर पर स्थित शीशम के पेड़ की अवैध कटान सिंचाई विभाग के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा था। जिसकी शिकायत कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र बजहा निवासी कृष्ण कुमार पांडेय ने थानाध्यक्ष कपिलवस्तु को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि बजहा सागर से निकलकर जाने वाली नहर पे मटियारिया गांव के पास शीशम का एक पेड़ की कटान सिंचाई विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से पेड़ को काटा जा रहा था। इसकी सूचना गांव वालों ने कपिलवस्तु कोतवाली, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ड्रेनेज खण्ड को दी। सिंचाई विभाग के जेई एंव स्थानीय पुलिस चौकी बजहा व गांव वालों के सहयोग से पेड़ की कटान को रोका गया। कृष्ण कुमार ने पेड़ कटान में संलिप्त सिंचाई विभाग के कर्मचारियों खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

कौशल विकास समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कौशल

विकास समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा कौशल विकास, आई0टी0आई0, आरसेटी द्वारा संचालित प्रशिक्षण प्रदाताओं की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी संजीव रंजन को आरसेटी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 650 अभ्यार्थियों के प्रशिक्षण के लक्ष्य के सापेक्ष 627 अभ्यार्थियों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि समस्त प्रशिक्षण प्रदाताओं द्वारा विभिन्न ट्रेडो में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों का बैच बनाकर बेहतर प्रशिक्षण दिया जाये। जनपद को प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण कर प्रशिक्षण कार्य सुचारू रूप से संचालित करें। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्रदान करने वाले केन्द्रों का निरीक्षण करने के लिए सम्बंधित को निर्देश दिया गया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त उपायुक्त उद्योग दया शंकर सरोज, जिला विद्यालय निरीक्षक अवधेश नारायन मौर्य, आरसेटी मृत्युन्जय कुमार मिश्रा, प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 शोभनाथ रावत, जिला प्रबंधक कौशल विकास विकास त्रिपाठी, संतोष मिश्रा, अभिषेक केसरी तथा अन्य संबधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

दूसरे दिन धरने पर बैठे ग्राम प्रधानों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। लेकर उच्चाधिकारियों के सामने मांग को प्रस्तुत करने का से अपने जनप्रतिनिधि होने की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा मांगों को लेकर आवाज बुलंद किया। इस दौरान ग्राम प्रधान

- मोबाइल मानिटरिंग सहित विभिन्न विन्दुओं का उठाया मुद्दा
- बीडीओ ने मांगों को लेकर उच्चाधिकारियों के सामने मांग को प्रस्तुत करने का दिया आश्वासन

पवन मिश्रा, पंकज चौबे, शौकी लाल, करम हुसेन, मुहम्मद आसिम, अजय कुमार चौधरी, किस्मत अली, राजेन्द्र कुमार, सद्दाम हुसैन, राम मिलन चौधरी, श्रवण कुमार जायसवाल, यार मोहम्मद, अबरार अहमद, सिकंदर यादव, ओमप्रकाश यादव, सुभाष यादव, सुनील सिंह, पिंटू पटेल, राजेंद्र पाल, अजय चौधरी, विन्ध्याचल गिरी, गंगाधर मिश्र, रामकुमार, विनोद शर्मा, घंश्याम, राजनेत्र चौरसिया, रिंकू सिंह, जीवन श्रीवास्तव, अब्दुल रसीद, अनिल पाण्डेय, जावेद, पवन कुमार, यार मोहम्मद, पप्पू गुप्ता, अजय चौधरी, अब्दुल अजीज, शिवलाल, सुनील यादव, रामदास, राजेन्द्र पाल, राजेन्द्र, अवनींद्र चौधरी आदि मौजूद रहे।

ब्लॉक परिसर में प्रधानों ने मंगलवार को दूसरे दिन ब्लॉक अध्यक्ष शोहरतगढ़ जफर आलम के अगुवाई में विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन धरना दूसरे दिन भी जारी रखा। खण्ड विकास अधिकारी शोहरतगढ़ संगीता यादव ने धरनारत ग्राम पंचायत के प्रधानों से समस्या सम्बंधित बातचीत की और ज्ञापन लेते हुए बीडीओ ने मांगों को आश्वासन दिया। धरना को सम्बोधित करते हुये प्रधान संगठन ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम ने कहा कि ग्राम प्रधानो के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय संगठन बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि ग्राम पंचायतों की समस्याओं का निपटारा समय से करते हुए विकास कार्यों को गति प्रदान करे। हर ग्राम प्रधान ईमानदारी है। विद्यालय के कायकल्पित करने के साथ तमाम तरह के विकास कार्य हर गांव में प्रधान कर रहे हैं। ग्राम पंचायत प्रधानों के साथ हो रहे किसी भी तरह के अन्याय को संगठन कदापि बर्दाश्त नहीं करेगा। समस्याओं के निदान की लड़ाई संगठन एकजुटता के साथ मांगो के पूरा न होने तक जारी रहेगा। धरना को प्रधान संगठन ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम, पंकज चौबे,सुनील सिंह, विक्रम यादव, रसीद अहमद, अजीज अहमद, जीवन श्रीवास्तव आदि ने सम्बोधित कर 14 सूत्रीय

शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने बांटा कंबल

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। कड़ाके के ठंड में शिक्षक विधायक

ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने जरूरत मंदो को मंगलवार को कंबल वितरण किया। कंबल पाकर लोगो के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिली लगभग 200 लोगो को कंबल वितरण किया गया वही शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लगभग 1 हफ्ते से हांड कपाने वाली ठंडक पड़ रही है लोगो को काफी समस्याएं हो रही है जरूरतमंद लोगो को कंबल वितरण किया गया है। इस कंबल से लोगो को कुछ राहत मिलेगी भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी भी मौजूद रहे। भाजपा नेता रामेश्वर पांडेय, समाजसेवी मयंक पांडेय, लेखपाल अशोक गुप्ता, वीरेंद्र पांडेय, रामनेवास त्रिपाठी, श्याम नारायण त्रिपाठी, मकसूदन पांडेय, राहुल पांडेय आदि लोग रहे मौजूद।

निषाद पार्टी का 10 संकल्प दिवस कार्यक्रम 13 जनवरी से शुरू: डॉ संजय कुमार निषाद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मंगलवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष निषाद पार्टी एवं कैबिनेट मंत्री (मत्स्य विभाग) डॉ संजय कुमार निषाद ने मंगलवार जनपद सिद्धार्थनगर के इटवा

में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि निषाद पार्टी का 10संकल्प दिवस कार्यक्रम 13 जनवरी को गुरू गोरक्षनाथ पावन पवित्र भूमि पर होगा जिसको लेकर वह मंगलवार को जनपद सिद्धार्थनगर की सम्मानित जनता और कार्यकर्ताओं को आमंत्रित करने आये हैं। निषाद ने कहा कि निषाद पार्टी के संकल्प दिवस पर मुख्यमंत्री बतौर मुख्यातिथि कार्यक्रम में शिरकत करेगें। इस बाबत उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर कार्यक्रम का आमंत्रण भी दिया है, मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की सफल होने की शुभकामनाएं के साथ ही कार्य्रकम में शिरकत करने की स्वीकृति भी प्रदान की है।

निषाद ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से निषाद राज जयंती को भव्य एवं विशाल बनाने का भी आग्रह किया जाए जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया है कि निषाद राज जयंती भव्य बनाने के लिए बनाने के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। निषाद ने बताया कि स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभू श्री राम जी के आत्मबल सखा महाराजा गुह्य राज निषाद की मिलन स्थली व अद्भुत किले श्रृंगवेरपुर धाम को पर्यटक स्थल घोषित करने परसाथ ही भगवान श्री राम एवं महाराज गुह्य राज जी की गले लगी मूर्ति लगवाने को लेकर सरकार को धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

उसका में प्रधानों का अनिश्चित कालीन धरना दूसरे दिन भी रहा जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। उसका ब्लॉक परिसर में प्रधानों ने

सोमवार से शुरू हुआ अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रहा। प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्रीश प्रताप यादव की अगुवाई में धरना प्रदर्शन चल रहा है। विभिन्न समस्याओं जैसे मोबाइल पर मानिटरिंग को लेकर काफी समस्याएं आ रही है मनरेगा की समस्या, मनरेगा का रुपया भुगतान की समस्या,विद्युत बिल की समस्या, ग्राम रोजगार की तबादला की नीति बनाई जाय आदि समस्या को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है।

सम्पादकीय

यूएनः सवाल और भी हैं

उसके बाद लगभग हर स्थायी सदस्य देश ने संयुक्त राष्ट्र की अनदेखी करते हुए अपने हित में कदम उठाए। जब स्थायी सदस्य ही संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की ऐसी अनदेखी करते रहे हों, इस मंच से किसी समस्या के समाधान में सार्थक हस्तक्षेप की उम्मीद का क्षीण होते जाना लाजिमी ही है। यूक्रेन संकट में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका हाशिये ...

यूक्रेन संकट में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका हाशिये पर चली गई है। ऐसे में जयशंकर के वाजिब सवाल दुनिया का ध्यान शायद ही खींच पाएंगे, क्योंकि इस समय हर विवेकशील व्यक्ति की असली चिंता है संयुक्त राष्ट्र की बढ़ रही अप्रासंगिकता। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा ढांचे पर वाजिब सवाल उठाए हैं। उनकी इस बात से शायद ही कोई असहमत होगा कि यह ढांचा वर्तमान विश्व का उचित प्रतिनिधित्व नहीं करता। मसलन, इसकी सुरक्षा परिषद में अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की स्थायी नुमाइंदगी नहीं है। उधर इस वर्ष यह विसंगति भी सामने आएगी कि दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश (यानी भारत) सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं होगा। जयशंकर ने ऑस्ट्रिया के एक टीवी चौनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि जिन देशों को स्थायी सदस्यता मिली हुई है, वे इसके श्आनंद्य को दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ये तमाम वाजिब बातें हैं, जो दशकों से कही जाती रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में सुधार कर इसे अधिक प्रातिनिधिक बनाया जाए, यह मांग भी दशकों पुरानी हो चुकी है। लेकिन ये मांगें कहीं पहुंचती मालूम नहीं पड़तीं। इस बीच भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील जैसे देशों की ढांचे में सुधार की मांग को बाकी दुनिया का समर्थन नहीं मिला है, क्योंकि उन हिस्सों में ये धारणा रही है कि ये देश अपने हित को आगे बढ़ाने की मुहिम चला रहे हैं। ऐसी धारणा बनने के पीछे एक वजह इन देशों का अपना व्यवहार भी रहा है। इस आरोप में दम है कि अपने हित साधने के प्रयास में इन देशों ने व्यापक विश्व हित का बिना ख्याल किए फौरी समीकरण बना लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई है। इस बीच अमेरिका ने सवा दो दशक पहले ही खतरे के अनुमान पर एकतरफा कार्रवाई का सिद्धांत न सिर्फ अपना लिया, बल्कि सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा भी कर दी। उसके बाद लगभग हर स्थायी सदस्य देश ने संयुक्त राष्ट्र की अनदेखी करते हुए अपने हित में कदम उठाए। जब स्थायी सदस्य ही संयुक्त राष्ट्र की भूमिका की ऐसी अनदेखी करते रहे हों, इस मंच से किसी समस्या के समाधान में सार्थक हस्तक्षेप की उम्मीद का क्षीण होते जाना लाजिमी ही है। यूक्रेन संकट में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका हाशिये पर चली गई है। ऐसे में जयशंकर के वाजिब सवाल दुनिया का ध्यान शायद ही खींच पाएंगे, क्योंकि इस समय हर विवेकशील व्यक्ति की असली चिंता है संयुक्त राष्ट्र की बढ़ रही अप्रासंगिकता।

हेमंत सरकार का संकट टल गया!

अमित शाह ने अपनी झारखंड यात्रा में जो कुछ कहा क्या उससे यह अंदाजा

लगाया जाए कि राज्य सरकार के ऊपर मंडरा रहा खतरा टल गया है? ध्यान रहे अमित शाह ने एक तरह से यह साफ किया कि उन्होंने या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने कभी भी राज्य सरकार को अस्थिर करने का प्रयास नहीं किया लेकिन राज्य सरकार को और राज्य की राजनीति को जानने वालों को पता है कि कितना गंभीर प्रयास हुआ था। कम से कम दो बार राज्य सरकार गिरने की कगार पर पहुंच गई थी। कांग्रेस के विधायक पाला बदलने को तैयार बैठे थे लेकिन सही समय पर मिली सूचना के आधार पर हेमंत सोरेन सरकार ने सारा प्लान फेल कर दिया। अब अगले चुनाव में कम समय बचा है इसलिए माना जा रहा है कि अब सरकार गिराने का प्रयास नहीं होगा। झारखंड के राज्यपाल ने एकाध एटम बम फूटने की जो बात कही थी लगता है उसे भी टाल दिया गया है। अमित शाह ने इसका भी संकेत दिया, जब उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में झारखंड में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। इसका मतलब है कि झारखंड का चुनाव तय समय पर यानी नवंबर 2024 में ही होगा। भाजपा के जानकार सूत्रों का यह भी कहना है कि अगले साल मई में लोकसभा के साथ झारखंड विधानसभा का चुनाव नहीं होगा। चुनाव समय पर ही होगा। हालांकि उससे पहले भले सरकार को अस्थिर करने का प्रयास नहीं किया जाए लेकिन सरकार को स्थिर भी नहीं रहने दिया जाएगा। भाजपा का सरकार विरोधी अभियान चलता रहेगा और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भी चलती रहेगी। मुख्यमंत्री के ऊपर विधानसभा में अयोग्यता और आय से अधिक संपत्ति के मामलों की तलवार लटकी रहेगी। बाकी नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ जांच चलती रहेगी। कारोबारी भी केंद्रीय एजेंसियों के निशाने पर रहेंगे।

ब्राजील में लोकतंत्र पर प्रहार

भाजपा ने कितने राज्यों में निर्वाचित सरकारों के विधायकों को खरीद कर सत्ता हासिल की है। केंद्र सरकार पर बार-बार जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगते हैं। विपक्ष के नेताओं पर निजी हमले किए जाते हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बार-बार हमले हो रहे हैं। ये तमाम मिसालें लोकतंत्र में गिरावट की ओर इशारा कर रही हैं। अमेरिका और ब्राजील में ...

पूंजीपोषक दक्षिणपंथ और फासीवादी विचारध्ाारा को लोकतंत्र की आड़ में पनपने और फैलने देने का नतीजा कितना खतरनाक हो सकता है, इसका ताजा उदाहरण ब्राजील से सामने आया है। ब्राजील में सत्ता से बाहर हो चुके धुर दक्षिणपंथी नेता जेयर बोलसोनारो के समर्थकों ने रविवार को देश की संसद और सुप्रीम कोर्ट पर हमला बोला, इसके साथ ही राष्ट्रपति भवन का घेराव किया। हालांकि पुलिस ने राजधानी ब्रासीलिया में रविवार शाम को कुछ घंटों की झड़प के बाद प्रमुख इमारतों पर वापस नियंत्रण हासिल कर लिया। बोलसोनारो समर्थकों के हमले के बाद कम से कम 400 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम से वैश्विक समुदाय स्तब्ध रह गया है। चुनावों में धांधली, परस्पर हमले, प्रतिद्वंद्वियों के बीच तकरारें, ये सब लगभग हर देश में होता रहा है। लेकिन निर्वाचित सरकार को नकार के उपद्रव के बूते सत्ता पर नियंत्रण कोशिश लोकतंत्र का अपमान है। दुख की बात ये है कि अपमान का ये सिलसिला किसी न किसी तरह पूरी दुनिया में चल रहा है। राष्ट्रवाद के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने वाले, उन्हें अराजक होने के लिए उकसाने वाले अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए जनादेश से खिलवाड़ कर रहे हैं। ब्राजील में सत्ता के केंद्रों पर हमला राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के सत्ता ग्रहण के कुछ दिन बाद हुआ है। पिछले साल अक्टूबर में ब्राजील में चुनाव हुए थे, जिसमें लूला डी सिल्वा ने फिर से वापसी कर अपने विरोधियों को हैरान कर दिया था। लूला को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल होने पर खुश होने वाले उनके विरोधी ये मान कर चल रहे थे कि वे अब फिर से सत्ता में नहीं आएंगे। लेकिन ब्राजील की जनता ने एक बार फिर से उन्हें ही चुना। हालांकि बोलसोनारो को काफी कम अंतर से लूला ने हराया था, मगर फिर भी बोलसोनारो इस हार को बर्दाश्त ही नहीं कर पा रहे थे, बल्कि उन्होंने हार मानने से ही इनकार कर दिया था। चुनाव के काफी दिनों तक उन्होंने चुप्पी धारण कर रखी थी और उसके बाद बोलसोनारो ने ब्राजील की सेना से संविधान का सम्मान करने का आह्वान किया था। बोलसोनारो ने अपने समर्थकों से कहा था कि देश में समाजवाद को रोकने के लिए सशस्त्र बल ब्राजील की दीवार थे। उन्होंने यह भी कहा था कि अब भी कुछ नहीं बिगड़ा है। लोग अभी नहीं संभले तो उन्हें एक दिन जरूर पछताना पड़ेगा। बोलसोनारो की ये बातें तख्ता पलट के लिए उकसाने वाली थीं। पिछले हफ्ते नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में हिस्सा लेने के बजाय बोलसोनारो ने देश छोड़ दिया था। और अब उनके समर्थकों ने चुनावों में धांधली के नाम पर संसद और सुप्रीम कोर्ट पर हमला बोल दिया। ब्राजील में जनवरी 2023 में जो कुछ घटा, वैसा ही दो साल पहले 6 जनवरी, 2021 को अमेरिका में हुआ था, जब ट्रंप समर्थकों ने नव निर्वाचित बाइडेन सरकार के विरोध में अमेरिकी संसद पर हमला बोल दिया था। इस वक्त व्हाइट हाउस में रणनीतिकार रहे स्टीव बैनन ने हमले से एक दिन पहले अपने पॉडकास्ट पर कहा था- कल सब कुछ तबाह होने वाला है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक इन्हीं बैनन ने पिछले साल अक्टूबर में ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव के पहले चरण के बाद पॉडकास्ट पर एक मेहमान ने कहा था श्ये पूरा मामला ठीक नहीं दिखता।श बीबीसी के मुताबिक बैनन कई हफ्घ्तों तक चुनावों में धांधली की आध्ाारहीन अफवाहों को फैलाते रहे और उन्होंने ब्राजीलियन स्प्रिंग हैशटैग को प्रमोट किया। यानी कहीं न कहीं ब्राजील की घटना के तार अमेरिका से जुड़ रहे हैं। या ये कहा जा सकता है कि अमेरिका में ट्रंप और ब्राजील में बोलसोनारो के तार एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ट्रंप के समर्थकों ने अमेरिका में सब कुछ तबाह करने की कोशिश तो पूरी की थी, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अब यही असफलता बोलसोनारो समर्थकों को भी मिली है। बोलसोनारो समर्थक इंटरनेट पर अस्तित्व संकट और वामपंथी टेकओवर जैसा नैरेटिव गढ़ रहे हैं। वामपंथ विरोध के नाम पर अराजकता फैलाने की यही कोशिश अमेरिका में भी की गई थी। हालांकि लोकतंत्र की ताकत के आगे ये नापाक मंसूबे ध्वस्त हो गए। स्टीव बैनन ने ब्राजील की सरकारी इमारतों में जबरन घुसने वालों को श्स्वतंत्रता सेनानीश करार दिया है, जबकि लूला डी सिल्वा ने इन हमलों को श्बर्बरश कहा है और बोलसोनारो समर्थकों को श्फासीवादीश बताया है। संरा महासचिव, राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत कई वैश्विक नेता ब्राजील की आत्मा को चोट पहुंचाने वाली इस घटना की निंदा कर रहे हैं। भारत के प्रध्ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को टैग करते हुए ट्वीट किया- ब्रासीलिया (राजधानी) में सरकारी संस्थानों में दंगों और तोड़फोड़ की खबरों से बेहद चिंतित हूं। लोकतांत्रिक परंपराओं का सभी को सम्मान करना चाहिए। हम ब्राजील के अध्िकारियों को अपना पूरा समर्थन देते हैं। ब्राजील और भारत ब्रिक्स में भागीदार हैं, इसके अलावा दोनों देशों के बीच परस्पर मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, इस नाते प्रधानमंत्री मोदी का वहां के घटनाक्रम पर फिक्र जतलाना स्वाभाविक है। मगर जब वे ब्राजील के लोगों से लोकतांत्रिक परंपराओं के सम्मान की अपेक्षा कर रहे हैं, तो उन्हें भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों में आ रही गिरावट पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा। भाजपा ने कितने राज्यों में निर्वाचित सरकारों के विध्ायकों को खरीद कर सत्ता हासिल की है। केंद्र सरकार पर बार-बार जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगते हैं। विपक्ष के नेताओं पर निजी हमले किए जाते हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बार-बार हमले हो रहे हैं। ये तमाम मिसालें लोकतंत्र में गिरावट की ओर इशारा कर रही हैं। अमेरिका और ब्राजील में सरकारों ने हालात संभाल लिए, लेकिन भारत में कभी हालात बिगड़े ही नहीं, ये मौजूदा सरकार को सुनिश्चित कर लेना चाहिए।

भारत जोड़ो यात्रा : सफलता-विफलता के बीच

राहुल ने संघ-भाजपा की विचारधारा से सीधे टकराव का रास्ता चुना है। सावरकर के माफीनामे को उन्होंने सोच-विचारकर मुद्दा बनाया है। कुछ समाज वैज्ञानिकों के अनुसार राहुल ने यह गलती की। इससे उनकी यात्रा का उद्देश्य भटकता है। लेकिन अय्यर मानते हैं कि राहुल ने यह उचित किया। एक तो इससे इतिहास के पुर्नेखन की कोशिशों में जो विकृति लाने का प्रयास किया जा रहा है...

डॉ. अजय तिवारी

सामाजिक-राजनीतिक जीवन में बदलाव की आहट बहुत-से रूपों में निलती है। एक धारणा के अनुसार कुछ राजनीतिज्ञ श्मौसम विज्ञानीच्य होते हैं। आने वाले बदलाव की आहट सबसे पहले पा जाते हैं, और समय रहते पाला बदल लेते हैं। इसलिए सरकारें बदलती हैं, लेकिन वे मंत्रिमंडल में सुशोभित रहते हैं। लेकिन बुद्धिजीवियों को यह श्रेय नहीं दिया जाता जबकि वे सामाजिक मनोविज्ञान, राजनीतिक गतिविध्ियों और आर्थिक परिवर्तनों का अध्ययन-विश्लेषण करके बदलाव की ओर संकेत करते हैं।

मार्क्स कहते थे कि बौद्धिक हलचलें सतह के नीचे उठते परिवर्तन की आहट देती हैं क्योंकि श्मस्तिष्क अनेक सूक्ष्म तंतुओं द्वारा समाजरूपी शरीर से जुड़े रहते हैं।च इस बात को हम भारतीय राजनीतिक संदर्भ में भी देख सकते हैं। 2012-13 में दक्षिणपंथी अर्थशास्त्री स्वामीनाथन एस. अंकलेसरिया अय्यर ने कांग्रेस की आर्थिक नीतियों की तीखी आलोचना चालू कर दी थी। उनकी आलोचना का प्रमुख मुद्दा कांग्रेस की जनकल्याणकारी योजनाएं भी थीं। वेसरकारी रियायतों का विरोध करते थे, बाजार द्वारा कीमतों के नियंत्रण का पूर्ण समर्थन करते रहे, यहां तक कि पेट्रोल को उसी समय सौ रुपये लीटर करने की वकालत करते थे। इसके लिए वे भाजपा की, उससे भी अधिक मोदी की प्रशंसा करते नहीं थकते थे। इस प्रशंसा का आधार श्गुजरात मॉडलच्य था जिसे कॉरपोरेट-फ्रेंडली माना जाता रहा है। स्वामीनाथन अय्यर कॉरपोरेट-परस्त नीतियों के जोरदार समर्थक रहे हैं। वे पश्चिम के उन अर्थशास्त्रियों के विरोधी हैं, जो भूमंडलीकरण की असंगतियों की चर्चा करते हैं। भूमंडलीकरण से देशों और समाजों में बढ़ती आर्थिक खाई को अय्यर विकास का प्रेरक मानते हैं। इन आर्थिक नीतियों की प्रशंसा के साथ संघ-भाजपा की सांप्रदायिक नीतियां भी उन्हें आपत्ति का विषय नहीं लगती थीं। बल्कि कांग्रेस की सेक्युलरिज्म की नीति में उन्हें खोट दिखता था।

इसका अर्थ है कि आर्थिक नीति और सामाजिक नीति में अंतर्विरोध होने पर उनका बल आर्थिक नीतियों पर था। इससे साबित है कि भारत का कॉरपोरेट जगत और उसका समर्थक बुद्धिजीवी 2014 के बदलाव के लिए पूरी तरह न सिर्फ तैयार था बल्कि उसके लिए वातावरण बनाने में भी संलग्न था। इधर इन दक्षिणपंथी कॉरपोरेट समर्थक बुद्धिजीवियों का रुख बदला-बदला है। इसके उदाहरण के रूप में स्वामीनाथन अय्यर को ही लें। उन्होंने राहुल गांधी के विचारों की सेक्युलर धुरी की प्रशंसा शुरू की है। अभी पहली जनवरी 2023 को एक अंग्रेजी अखबार में अपने स्तंभ श्स्वमिनामिक्स्च्य में उन्होंने कहा है, श्नरम हिंदुत्व के स्थान पर घृणा के प्रति कड़ा रुख्च्य स्वागतयोग्य है। कारण यह कि उग्र हिंदुत्व के विरुद्ध लड़ाई नरम हिंदुत्व से नहीं लड़ी जा सकती, लड़कर भी नहीं जीती जा सकती। श्हिंदू राष्ट्रवादियोंच्य की आलोचना करते हुए स्वामीनाथन ने लिखा है कि श्हिंदुत्व सहिष्णुता का द्योतक है, घृणा का नहीं।च्य इसीलिए जो लोग मानते हैं कि सेक्युलरिज्म को बढ़ावा देना हिंदू भावनाओं को आहत करता है, वे हिंदुत्व को बिल्कुल नहीं समझते।

यह बदला हुआ स्वर है, जिसके लिए आर्थिक प्रश्न के साथ सामाजिक सौहार्द का पक्ष भी महत्त्वपूर्ण है। यह नजरिया वामपंथी या मध्यमार्गी बुद्धिजीवी नहीं, घोषित रूप में दक्षिणपंथी बुद्धिजीवी का है। सामाजिक सौहार्द को पिछले आठ-नौ वर्षो में इतनी क्षति पहुंची है कि राहुल गांध्ाी श्भारत जोड़ोच्य यात्रा पर निकले हैं, जिसे हर क्षेत्र में प्रत्येक जन-समुदाय का व्यापक समर्थन मिल रहा है। स्वामीनाथन ने लक्षित किया है कि इस यात्रा के चलते राहुल की श्पप्पूच्य छवि के भीतर से एक अधिक ठोस चीज निकल कर आई है। इस यात्रा की दृश्यावली भव्य है लेकिन राहुल और कांग्रेस के सामने इस यात्रा के नतीजों को सहेजने की जिम्मेदारी है। इसके बिना इस यात्रा के सुफल को वोट में नहीं ढाला जा सकता। खुद भाजपा ने यात्रा के लोकव्यापी प्रभाव को स्वीकार किया है। स्वामीनाथन ने इस स्वीकृति को महत्त्वपूर्ण माना है।

राहुल ने संघ-भाजपा की विचारधारा से सीधे टकराव का रास्ता चुना है। सावरकर के माफीनामे को उन्होंने सोच-विचारकर मुद्दा बनाया है। कुछ समाज वैज्ञानिकों के अनुसार राहुल ने यह गलती की। इससे उनकी यात्रा का उद्देश्य भटकता है। लेकिन अय्यर मानते हैं कि राहुल ने यह उचित किया। एक तो इससे इतिहास के पुर्नेखन की कोशिशों में जो विकृति लाने का प्रयास किया जा रहा है, उस पर ध्यान केंद्रित होगा, दूसरे नरम हिंदुत्व की बजाय ध्ार्मनिरपेक्षता के मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता स्पष्ट होगी। खुद अय्यर का विचार है कि कांग्रेस को सेक्युलरिज्म पर दृढ़तापूर्वक लौटना चाहिए क्योंकि सांप्रदायिक सौहार्द केवल धर्मनिरपेक्षता का अंग हो सकता है।

इस आकलन का महत्त्व यह है कि दक्षिणपंथ में नीतियों को लेकर विशेषतरू सांप्रदायिकता के प्रश्न पर एकमतता नहीं है. इस कारण आर्थिक मुद्दों पर आपसी सहमति गौण हो जाती है। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस और भाजपा की आर्थिक नीतियों में कोई मौलिक अंतर नहीं है। अंतर है सामाजिक-सांस्कृतिक नीतियों में। चूंकि वामपंथ का अस्तित्व हाशिये पर चला गया है, इसलिए दक्षिणपंथ में नीतिगत भिन्नता का लाभ मध्यमार्गी कांग्रेस को मिलना निश्चित है।

बेशक, इसके लिए कांग्रेस को सांगठनिक दृष्टि से भाजपा के मुकाबले में सक्षम होना पड़ेगा। यह काफी दुष्कर कार्य है। संघ ने अपने आनुषांगिक संगठनों और अपने प्रभाव के व्यक्तियों के माध्यम से जितना सघन और व्यापक ताना-बाना बना लिया है, उसका मुकाबला अंतर्कलह से जूझती और स्थानीय क्षत्रपों के आगे बेबस कांग्रेस के वश का नहीं है। संयोग नहीं है कि राहुल एक ओर भाजपा की सांप्रदायिक नीतियों से सीधे टकराने की नीति पर चल रहे हैं, तो दूसरी और आरएसएस को अपना प्रेरणा स्रेत भी बता रहे हैं। नीतियों में भाजपा से अलगाव और सांगठनिक स्तर पर संघ से सीख-यह द्वंद्वात्मक रुख राहुल की बढ़ती राजनीतिक परिपक्वता का द्योतक है। यह कांग्रेस के चिर-परिचित व्यवहार की आवृत्ति भर नहीं है। ज्यों-ज्यों भाजपा सरकार की असफलताओं से जनता की तकलीफें बढ़ती जा रही हैं, त्यों-त्यों राहुल का रुख ग्राह्य बन रहा है।

पाकिस्तान में सिर्फ आटे की लूट नहीं मची है, वहां की सरकार और फौज की इज्जत भी लुट रही है

पाकिस्तान का आटा गीला हो गया है। जी हाँ, कंगाली के दौर में पहुँच चुकी पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है जिससे वहां गृह युद्ध छिड़ने के आसार भी पैदा हो गये हैं। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान में लोग रोटी खाने तक के लिए तरस रहे हैं क्योंकि वह देश इस समय आटे की भीषण कमी की समस्या से जूझ रहा है। 10 किलो आटे की बोरी की कीमत हजारों रुपए में पहुँच गयी है जिससे गरीब लोगों के समक्ष भूखे मरने की नौबत आ गयी है। पाकिस्तानी हुक्मरान और फौज के लोग तो फिर भी अपना काम चला ले रहे हैं लेकिन जनता सड़कों पर उतर आई है। पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों से इस प्रकार की खबरें आ रही हैं कि लोग आटा लूट ले रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि आटा सप्लाई के लिए जो ट्रैक्टर जा रहा है उसके पीछे लोग लग जाते हैं। वीडियो के मुताबिक, पहले लोग पैसा देकर आटा लेना चाहते हैं लेकिन अब उनकी बात नहीं सुनी जाती तो लोग आटा लूटना ही शुरू कर देते हैं क्योंकि घर में चूल्हा खाली पड़ा है।

वहीं एक दूसरे वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि आटे की बोरी एक दूसरे से छीनने के लिए पाकिस्तानी जनता आपस में भिड़ी हुई है। वीडियो में एक व्यक्ति को तो लगता है कि जान से ज्यादा प्यारा आटा है। लोग उसे पीट रहे हैं लेकिन वह आटे की बोरी छोड़ने को तैयार ही नहीं होता। एक और तस्वीर में दिखाया जा रहा है कि आटे के लिए संघर्ष के दौरान उसकी मौत हो गयी। वहीं पाकिस्तानी मीडिया अपनी सरकार से सवाल कर रहा है कि जब पड़ोसी मुल्कों से सस्ता आटा मंगाया जा सकता है तो पाकिस्तान की सरकार हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे हुए है। पाकिस्तानी मीडिया का ही एक धड़ा यह भी कह रहा है कि पाकिस्तान की सरकार पड़ोसी देशों से आटा मंगा तो सकती है लेकिन आटा मंगाने के लिए दरअसल उसके पास पैसे ही नहीं हैं। पाक मीडिया में यह भी कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के हुक्मरान दुनिया भर में भीख मांगते घूम रहे हैं लेकिन पड़ोसी देश से मदद मांगना उनको अपनी शान के खिलाफ लग रहा है। देखा जाये तो यही हालात रहे तो पाकिस्तान जल्द ही गृह युद्ध की ओर बढ़ता नजर आयेगा क्योंकि बात सिर्फ आटे की कमी की नहीं बल्कि बिजली की कमी की भी है। इस समय पाकिस्तान की जनता में सिर्फ अपनी सरकार ही नहीं बल्कि सेना के खिलाफ भी नाराजगी देखने को मिल रही है क्योंकि एक ओर जहां गरीब जनता भूखी मर रही है वहीं नेता और फौजी अफसर शान की जिंदगी जी रहे हैं और अपना विलासितापूर्ण जीवन का भोंडा प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि दुनियाभर के देशों से दो–दो पैसा मांगने के लिए जिनेवा डोनर्स मीटिंग में गये पाकिस्तान को कुछ राहत वहां से मिल गयी है। लेकिन यह राहत अभी आश्वासनों में ही है। पाकिस्तान ने कहा है कि देश में पिछले साल आई भयावह बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में उसकी मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने 8.5 अरब डॉलर से अधिक की सहायता का वादा किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जिनेवा में पाकिस्तान के प्रति उदारता वाला रुख दिखाने और मदद देने का आश्वासन देने वाले देशों का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने ट्वीट किया, ''यूरोपीय संघ ने 9.3 करोड़ डॉलर का, जर्मनी ने 8.8 करोड़ डॉलर का, चीन ने 10 करोड़ डॉलर का, इस्लामिक विकास बैंक ने 4.2 अरब डॉलर का, विश्व बैंक ने 2 अरब डॉलर का, जापान ने 7.7 करोड़ डॉलर, एशियाई विकास बैंक ने 1.5 अरब डॉलर, यूएसएड ने 10 करोड़ डॉलर और फ्रांस ने 34.5 करोड़ डॉलर की सहायता का वादा किया है।'' इसके अलावा अमेरिका ने पाकिस्तान को अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर देने की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन 10 करोड़ डॉलर का इस्तेमाल बाढ़ के प्रभावों से निपटने, शासकीय कार्यों, रोग संबंधी निगरानी, आर्थिक विकास और स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु स्मार्ट कृषि, खाद्य सुरक्षा व बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए होगा। बहरहाल, यहां पाकिस्तान की जनता को एक बात ध्यान देनी चाहिए कि जिस देश का शासक सुबह उठते ही यह सोचता हो कि आज किस देश से उधार मांगना है, उस देश की सरकार आखिर कैसे अपने अवाम का भला कर पायेगी?

इस महीने 132 कोयला खदानों की नीलामी करेगी एमएसटीसी

नयी दिल्ली। कोयला खदानों की इस महीने होने वाली नीलामी के छठे चरण में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में 132 कोयला खदानों की नीलामी की जाएगी। एमएसटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंधन निदेशक (सीएमडी) सुरिंदर कुमार गुप्ता ने यह जानकारी दी। एमएसटीसी, इस्पात मंत्रालय के तहत विभिन्न सामग्रियों और खनिजों तथा खदानों की ई–नीलामी करता है। गुप्ता ने पीटीआई–के साथ बातचीत में कहा कि यह कोयला खदानों की नीलामी का छठा चरण होगा। छठें चरण के तहत कोयले की 132 और लिग्नाइट की नौ खदानों समेत कुल 141 खदानों की नीलामी की जाएगी। उन्होंने साफ किया कि एमएसटीसी केवल कोयला खदानों की सूची और कोयला मंत्रालय द्वारा प्रदान की गई संबंधित अधिसूचनाओं के अनुसार ही नीलामी आयोजित करती है।

इसके साथ ही उन्होंनेबोलीदाताओं को बोली से संबंधित सभी अधिसूचनाओं को पढ़ने का सुझाव भी दिया। गुप्ता ने कहा, एमएसटीसी कोयला मंत्रालय की किसी भी नीति–निर्माण प्रक्रिया में शामिल नहीं है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 27 फरवरी 2020 के आदेश को सभी बोलीदाताओं को एनजीटी के आदेश सहित पोर्टल पर अपलोड की गई सभी अधिसूचनाओं की जांच करने का सुझाव दिया जाता है। गुप्ता ने कहा कि छठे चरण की नीलामी में 133 कोयला खदानें हैं। पांचवें चरण में बिक नहीं पाईं आठ खदानों को भी छठे चरण की नीलामी में शामिल किया गया है।

इस चरण में नीलाम की जाने वाली खदानें ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में मौजूद हैं। इस चरण में नीलामी की जाने वाली कुल 141 खदानों में से 68 आंशिक रूप से उत्खनित हैं जबकि बाकी खदानें उत्खनित हैं। पांचवें चरण में कुल 109 खदानों की नीलामी की गई थी जिनमें से केवल आठ ही बिक पाई थीं। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पिछले महीने कहा था कि नीलामी के चौथे दौर में जिन 99 कोयला खदानों को शामिल किया गया था, उनमें से सिर्फ आठ ब्लॉकों की ही सफलतापूर्वक नीलामी हुई है।

Spanish league में एथलेटिक ने ओसासुना को ड्रॉ पर रोका

मैड्रिड। एथलेटिक बिलबाओ ने चौम्पियंस लीग में जगह बनाने

का मौका खो दिया जब ओसासुना ने स्पेनिश लीग फुटबॉल मैच में उसे गोलरहित ड्रॉ पर रोका। मैच में अधिकांश समय एथलेटिक का ही दबदबा रहा लेकिन वह मौकों को भुना नहीं सकी। अब टीम सातवें स्थान पर रही जबकि चौथे स्थान पर काबिज रीयाल बेटिस के उससे दो अंक अधिक है। बार्सीलोना को रीयाल मैड्रिड पर तीन अंक की बढत है। रीयाल सोसिदाद तीसरे स्थान पर है।

भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष विशेषज्ञ नासा के नए मुख्य प्रौद्योगिकीविद् नामित

वाशिंगटन। एक भारतीय–अमेरिकी एयरोस्पेस उद्योग विशेषज्ञ को यहां अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का नया मुख्य प्रौद्योगिकीविद् नियुक्त किया गया है। ए. सी चरानिया नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) मुख्यालय में प्रशासक बिल नेल्सन के प्रधान सलाहकार के तौर पर सेवाएं देंगे और प्रौद्योगिकी नीति और कार्यक्रमों पर सलाह देंगे। नासा ने सोमवार को एक बयान में कहा, अपनी स्थिति में, ए सी चरानिया छह मिशन निदेशालयों में मिशन की जरूरतों के साथ नासा के एजेंसी स्तरीय प्रौद्योगिकी निवेश को संरेखित करेंगे। इसके साथ ही वह अन्य संघीय एजेंसियों, निजी क्षेत्र और बाहरी हितधारकों के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग की देखरेख करेंगे। बयान में प्रौद्योगिकी, नीति और रणनीति के लिए नासा की एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर भव्या लाल को उद्धृत करते हुए कहा गया, "चरानिया बड़े, तेजी से बदलते प्रौद्योगिकी विभागों के प्रबंधन में एक अनुभवी व्यक्ति हैं। हम नासा में उनके ज्ञान और उत्साह से लाभान्वित होने के लिए उत्सुक हैं।" चरानिया की नियुक्ति से पहले लाल कार्यवाहक मुख्य प्रौद्योगिकीविद् के तौर पर काम कर रहीं थीं। चरानिया ने बयान में कहा, "21वीं सदी में हम प्रगति की जिस रफ्तार को चाहते हैं, वह हमारे मिशनों को निष्पादित करने के लिए प्रौद्योगिकियों के एक पोर्टफोलियो को चुनने और परिपक्व करने पर निर्भर है।

हॉकी विश्व कप 2023 का शानदार होने वाला है आगाज, कई सेलेब्रिटीज देंगे Performance

पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की शुरुआत होने में काफी कम दिन बचे है। हॉकी विश्व कप की शुरुआत से पहले शानदार उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। हॉकी विश्व कप 2023 के उद्घाटन समारोह के आयोजन के लिए कई धमाकेदार पर्फॉर्मेंस की जाएंगी। उद्घाटन समारोह में कई बॉलीवुड सितारे, स्थानीय गायक और विदेशी कलाकारों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां पेश की जाएंगी। इस उद्घाटन समारोह को लेकर भी खास जोश युवाओं में है। उद्घाटन समारोह को लेकर सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है।

हॉकी विश्व कप का उद्घाटन समारोह 11 जनवरी को कटक के बारबाटी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस उद्घाटन समारोह को लेकर कई तैयारियां की गई है। उद्घाटन समारोह की तैयारियां भी अंतिम स्तर में पहुंच गई है। खेल एवं युवा विभाग के अधिकारियों ने भी स्टेडियम का दौरा कर तैयारियों का निरीक्षण किया है।

इनकी होगी पर्फॉर्मेंस डांस ग्रुप द्वारा दमदार प्रस्तुति

पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के आगाज को भव्य, शानदार और यादगार बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारियां की जा रही है। अधिकारी लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे है। इस उद्घाटन समारोह में बॉलीवुड सुपरस्टार और युवाओं के फेवरेट रणवीर सिंह, अभिनेत्री दिशा पाटनी जैसे कलाकार परफॉर्म करेंगे। इस कार्यक्रम में संगीत निर्देशक प्रीतम, लीशा मिश्रा, ओडिशी नृत्य गुरु अरुणा महांती, नीति मोहन, गायक बेनी दयाल, गायक श्रेया लेनका और ब्लैकसन पेश की जाएगी।

उद्घाटन समारोह देखने के लिए करें ये काम

हॉकी विश्व कप 2023 के शो के टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। इसे लाइव देखने के इच्छुक दर्शकों के लिए टिकट की बिक्री हो रही है। वहीं इसका सीधा प्रसारण कई चौनलों पर भी किया जाएगा। बता दें कि उद्घाटन समारोह का आयोजन 11 जनवरी की शाम 3 बजे से शुरू होगा।

इस ऑस्ट्रेलिया की टीम है दमदार

इस विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम काफी मजबूत मानी जा रही है। जानकारी के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया ने पिछली बार 2014 में नीदरलैंड के हेग में खिताब जीता था। टीम ने यहां अपने खिताब का बचाव करने में सफल रही थी। उसने अपना पहला खिताब 1986 में मेजबान इंग्लैंड को हराकर जीता था। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एडी ओकेनडेन ने यहां पहुंचने के बाद कहा कि हमारे खिलाड़ी यहां आकर वास्तव में उत्साहित हैं और टूर्नामेंट में से हमें बड़ी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं और विश्वास है कि हम खिताब जीतने में सक्षम होंगे। हमारी टीम के पास बहुत अनुभव है और यह वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम यहां 13 जनवरी को फ्रांस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

थ्तंदबम के कप्तान Hugo Lloris ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा

पेरिस। विश्व कप विजेता रहे फ्रांस के कप्तान हुजो लोरिस ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कह दिया। फ्रांस के लिये 145

मैच खेल चुके लोरिस 2018 विश्व कप विजेता कप्तान थे और पिछले महीने कतर में फाइनल में अर्जेंटीना से हारने वाली टीम की कप्तानी भी उन्होंने की। 36 वर्ष के गोलकीपर ने ल एकिप अखबार से कहा कि वह इंग्लिश प्रीमियर लीग में टोटेनहम क्लब के लिये खेलने पर फोकस रखेंगे। उन्होंने कहा ,'' मैं लगातार अच्छा खेलना चाहता हूं। इस फैसले से क्लब के लिये बेहतर खेल सकूंगा। अगले चार पांच महीने टोटेनहम के साथ उम्दा खेलकर मैं प्रीमियर लीग शीर्ष चार में रहना चाहता हूं। यह प्रदर्शन एफए कप और चौम्पियंस लीग में भी दोहराना चाहूंगा।

Star और Byju's ने बढ़ाई BCCI की टेंशन, कर दी है यह बड़ी मांग

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और स्टार इंडिया के बीच इन दिनों सब कुछ ठीक–ठाक नहीं चल रहा है। दरअसल, दोनों के बीच मीडिया राइट्स को लेकर टेंशन बढ़ी हुई है। स्टार स्पोर्ट्स ने बीसीसीआई से 130 करोड़ रुपए की छूट की मांग कर दी है। लेकिन यह विवाद कब शुरू हुआ तथा इकसे कारण क्या हैं, यह सबसे बड़ा सवाल है। दरअसल, इन दिनों भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज खेला जा रहा है। लेकिन यह विवाद कोरोना वायरस और श्रीलंका सीरीज के दौरान एडवर्टाइजमेंट नहीं मिलने के कारण हुआ है। बताया जा रहा है कि बीसीसीआई की मीटिंग के दौरान स्टार ने मौजूदा सौदा के तहत लगभग 130 करोड़ रुपए की छूट मांगी है। सूत्रों ने कहा कि इस मुद्दे पर लंबी चर्चा हुई लेकिन बोर्ड ने अभी तक अंतिम फैसला नहीं लिया है। स्टार के पास भारत के घरेलू क्रिकेट के राइट्स हैं। इसके लिए स्टार ने 2018–2023 की अवधि को ध्यान में रखते हुए 6138.1 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया था। हालांकि, इसी दौरान कोरोना वायरस का मामला आ गया। इस वजह से कई मैच को भी टालने पड़े। इसी वजह से स्टार ने नुकसान होने का दावा किया है। अब वह 130 करोड़ रुपए की छूट की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर स्टार इंडिया से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि स्टार ने बीसीसीआई से सिर्फ यह कहा है कि बोर्ड करार के अनुसार रकम ले। जिन मैचों को 2020 में नहीं खेला जा सका और उसका आयोजन 2022 में हुआ, उन मैचों के लिए 2020 की दर से भुगतान हो। ऐसे में यह कहना कि स्टार ने 'छूट' की मांग है, पूरी तरह से भ्रामक है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम में जर्सी के प्रायोजक बायजूस ने भी बीसीसीआई की टेंशन बढ़ा दी है।

कोविड पूर्व के स्तर की ओर लौट रही है हज यात्रा

दुबई। कोरोना वायरस महामारी को लेकर चिंताओं के कारण लगाई गई पाबंदियों को कम किए जाने के बाद सऊदी अरब में वार्षिक हज यात्रा के इस साल महामारी पूर्व के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस्लाम में हज सभी सक्षम मुसलमानों के लिए उनके जीवन में एक बार आवश्यक है। यह दुनिया के लोगों के सबसे बड़े जमावड़े में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। महामारी से पहले, हजयात्रा के लिये हर साल इस्लाम में पवित्र माने गए शहर मक्का में लाखों लोग जुटते थे।

वर्ष 2019 में 24 लाख लोगों ने वार्षिक यात्रा में हिस्सा लिया था लेकिन 2020 में महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन के चलते सऊदी अरब ने हजयात्रियों की संख्या को सिर्फ 1000 तक सीमित कर दिया।

यह कदम अभूतपूर्व था क्योंकि 1918 की फ्लू महामारी के दौरान भी ऐसा नहीं किया गया था जब दुनिया भर में करोड़ों लोगों की जान बीमारी से चली गई थी। वर्ष 2021 में सऊदी अरब के करीब 60 हजार निवासियों को हज यात्रा की इजाजत दी गई। पिछले साल करीब 10 लाख लोगों ने वार्षिक धार्मिक यात्रा की। लाल सागर के बंदरगाह शहर जेद्दा में हज के बारे में सोमवार रात एक सम्मेलन में सऊदी हज और उमराह मंत्री तौफीक बिन फवजान अल–रबिया ने प्रतिबंधों को हटाने की घोषणा की। राज्य द्वारा संचालित सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार अल–रबियाह ने कहा, "मैं इस बैठक में आपके लिए दो अच्छी खबरें लेकर आया हूं।

पहलारू तीर्थयात्रियों की महामारी पूर्व संख्या की वापसी बिना उम्र संबंधी किसी प्रतिबंध के।" उन्होंने कहा, "और दूसरारू दुनिया भर के किसी भी हज मिशन को किसी भी लाइसेंस प्राप्त कंपनी से करार की अनुमति देना जो उन देशों के तीर्थयात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करती हो।" हाल के वर्षों में केवल 18 से 65 वर्ष की आयु के लोग ही हज में शामिल हो सकते थे। सऊदी अरब ने यह भी सीमित कर दिया था कि कौन सी निजी कंपनियां हज के लिए यात्रा की व्यवस्था कर सकती हैं।

एनिसिमोवा ने एडीलेड में पहले दौर में जीत दर्ज की

एडीलेड। अमेरिका की 'लकी लूजर' अमांडा एनिसिमोवा ने

रूस की लियुडमिला सैमसोनोवा को 7 . 5, 6 . 3 से हराकर एडीलेड इंटरनेशनल के पहले दौर में जीत दर्ज की। पिछले साल विम्बलडन क्वार्टर फाइनल में पहुंची एनिसिमोवा फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल भी खेल चुकी हैं। विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज इस खिलाड़ी को क्वालीफायर के द्वारा टूर्नामेंट में प्रवेश मिला है। पिछले सप्ताह एडीलेड इंटरनेशनल के पहले दौर में वह चौथी वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा से हार गई थी जिसके कारण उसे इस सप्ताह मुख्य ड्रॉ के लिये क्वालीफाई करना पड़ा। पुरूष वर्ग में अमेरिका के टॉमी पॉल ने आस्ट्रेलिया के क्रिस्टोफर ओकोनेल को 6 . 4, 7 . 5 से हराया।

भीखमपुर रोड पर खुला मिला निजी स्कूल

देवरिया। ठंड व शीत लहर को देखते हुए जिलाधिकारी की ओर से 11 जनवरी तक कक्षा एक से आठवीं तक के समस्त विद्यालयों में अवकाश घोषित है। इसके बावजूद ..भीखमपुर रोड में इंडियन पब्लिक स्कूल खुला पाया गया। स्कूल खोले जाने की सूचना जब वायरल हुई तो बेसिक कार्यालय के अधिकारी अचानक जागे और निरीक्षण में इसे सत्य पाया। प्रबंधक व प्रधानाध्यापक को दो दिन के अंदर मान्यता प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। लगातार शीत लहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के हित में जनपद के कक्षा आठ तक के सारे विद्यालय बंद करने का आदेश है। भीखमपुर रोड में एक विद्यालय खुले होने की जानकारी जब बीएसए को हुई तो उन्होंने नगर क्षेत्र के खंड शिक्षा अधिकारी विजयपाल नारायण त्रिपाठी को इसकी जांच करने भेज दिया। बीएसए हरिश्चंद्र नाथ ने बताया कि बीईओ ने रिपोर्ट दी है कि भीखमपुर रोड स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल निरीक्षण के दौरान खुला पाया गया और मौके पर छात्र–छात्राएं भी उपस्थित मिले। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रधानाचार्य व प्रबंधक कोई जवाब नहीं दे सके। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में जिलाधिकारी के आदेश के बावजूद स्कूल खोले जाना प्रशासनिक व विभागीय आदेशों का उल्लंघन, अनुशासनहीनता एवं लापरवाही दर्शाता है। विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य को दो दिन के अंदर मान्यता प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित होकर जवाब देने के लिए कहा गया है। स्पष्टीकरण प्रभावी नहीं पाए जाने पर संस्था के विरुद्घ नियमानुसार कार्रवाई होगी।

सीआईबी का छापा, रेल ई टिकट दलाल गिरफ्तार

देवरिया। सीआईबी की टीम ने . गौरीबाजार में छापा मारा। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। वह फर्जी तरीके से रेल ई टिकट बनाकर यात्रियों से किराए से अधिक रुपये लेता था। गौरीबाजार चौराहे के पास स्थित एक कटरा में एक ट्रेवेल्स की दुकान पर सीआईबी हेडक्वार्टर गोरखपुर की टीम ने छापा मारा। पता चला कि क्षेत्र के पथरहट गांव निवासी संदीप कुमार गोंड की एसके ट्रेवेल्स के नाम से दुकान है। जो फर्जी तरीके से आईआरसीटीसी की आईडी बनाकर यात्रियों को टिकट देता है और अधिक रुपये लेता है। टीम ने दोपहर में उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास व्यक्तिगत छह आईडी, 713 रुपये का एक ई टिकट, यात्रा तिथि के समाप्त 11 ई– टिकट, जिसकी कीमत करीब साढ़े नौ हजार रुपये के मिले। साथ ही एक लैपटॉप, मोबाइल फोन व आठ हजार एक सौ रुपये नकद बरामद हुआ। मामले में देवरिया आरपीएफ ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। टीम में इस दौरान देवेंद्र प्रताप, अबू फरहान गफ्फार, एम रहमान, सुनील यादव, महाप्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय किसान दिवस 18 जनवरी को

कुशीनगर। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने बताया कि प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। माह जनवरी– 2023 के तृतीय बुधवार दिनांक 18 जनवरी 2023 को 11 बजे, स्थान– कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया जायेगा। उप कृषि निदेशक ने सभी सम्बंधित अधिकारी सहित कृषक बंधुओं से अनुरोध किया है कि दिनांक 18 जनवरी 2023 को समय 11 बजे, स्थान– कलेक्ट्रेट सभागार में सम्यक सूचनाओ के साथ उपस्थित होने का कष्ट करेंगे।

ठंड के मद्देनजर 14 जनवरी तक विद्यालय रहेंगे बंद

कुशीनगर। जिलाधिकारी रमेश रंजन ने बताया कि कुशीनगर जनपद में अत्यधिक ठंड एवं शीतलहर चलने के कारण छात्र, छात्राओ के स्वाथ्य के दृष्टिगत जनपद में संचालित माध्यमिक शिक्षा विभाग से अनुदानित विद्यालय, निजी, एवं मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय, मदरसा बोर्ड, सी०बी०एस०ई० बोर्ड, आई०सी०एस०ई० बोर्ड, संस्कृत बोर्ड से सम्बन्धित समस्त माध्यमिक विद्यालयो में कक्षा 01 से कक्षा 12 तक दिनांक 09–01–2023 से 14–01–2023 का शैक्षिक कार्य स्थगित रहेगा तथा जिन विद्यालयो में पूर्व निर्धारित प्रैक्टिकल एवं प्री– बोर्ड परीक्षा होगी। उन्हें प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक कराया जा सकता है। उन्होंने उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया हैं।

डीएम ने नगर निकायों में कराए जा रहे विकास कार्यों की ली जानकारी

कुशीनगर । नगर निकायों से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति समीक्षा बैठक जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिशासी अधिकारियों से नगर निकायों से संदर्भित योजना के संदर्भ में अद्यतन प्रगति की रिपोर्ट ली गयी। इसी क्रम में बिड, टेंडर की वर्तमान स्थिति, स्वीकृत परियोजना के सापेक्ष भौतिक प्रगति, 15 वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत कार्य के सापेक्ष पूर्ण व लंबित कार्य आदि की निकाय वार प्रगति के बारे में जाना गया। जिलाधिकारी ने लंबित कार्यों के शीघ्रता से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिशासी अधिकारियों को जनपद में यातायात की समस्या से निजात पाए जाने हेतु पार्किंग हेतु स्थलों के चिन्हीकरण किये जाने के भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी देवी दयाल वर्मा, समस्त अधिशासी अधिकारी मौजूद रहे।

निर्वाचन से संबंधित प्रशिक्षण 16 जनवरी को

कुशीनगर। उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी देवीदयाल वर्मा ने बताया कि गोरखपुर–फैजाबाद खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र – 2023 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी कुशीनगर के अध्यक्षता में दिनांक 16 जनवरी, 2023 के अपरान्ह 3.00 बजे से कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में निर्वाचन से सम्बन्धित नोडल प्रभारी अधिकारी कार्मिक द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त जोनल मजिस्ट्रेट, समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, एवं समस्त माइक्रोऑब्जर्बर को निर्देशित किया है कि उक्त प्रशिक्षण में समय से निर्धारित स्थल पर उपस्थिति अनिवार्य है।

दो डिग्री और गिरा पारा, बढ़ी ठंड, बर्फीली हवाओं से अकड़े अंग

गांवों के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर नहीं जले अलाव, सांसत में लोग

देवरिया। पूरे जनपद में कड़ाके की ठंड ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। करीब एक पखवारे से भीषण शीतलहर और बदली होने के कारण बच्चों, बड़ों, बूढ़ों से लेकर छात्र और नौकरीपेशा वालों तक की दिनचर्या प्रभावित हो गई है। हालांकि, कुछ देर के लिए धुंध जरूर छंटी लेकिन उसके बाद गलन और ठंड और बढ़ गई। न्यूनतम तापमान सात डिग्री तो अधिकतम 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जनपद में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार गलन और बर्फीली हवाओं के चलते अभी चार–पांच दिनों तक सर्दी का सितम जनपदवासियों को झेलना पड़ेगा। उसके बाद धूप होने की संभावना जताई जा रही है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र के अधिकांश प्रमुख चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर अलाव नहीं जलने से लोग परेशान हैं। करीब एक पखवारे से भीषण शीतलहर, गलन और सर्द हवा से सब परेशान हैं। बाइक से यात्रा करने पर कुछ ही दूरी तय करने में कंपकंपी छूट जा रही है। बच्चे घरों में कैद होकर रह गए हैं। बाहर की बात तो दूर घर के अंदर भी लोग ठिठुर रहे हैं। कलेक्ट्रेट में आने वालों की संख्या सामान्य दिनों की अपेक्षा कम रही। कुछ विभागों के कर्मचारी अलाव के पास ठंड से निजात पा रहे थे। वहीं, अधिवक्ताओं की मांग पर . दोपहर में नगर पालिका की ओर से कई जगह कलेक्ट्रेट में अलाव की व्यवस्था की गई। शहर के रोडवेज परिसर में बीस पुरुष व पांच महिलाओं के लिए रैन बसेरा बनाया गया है। यहां व्यवस्था दुरुस्त थी। दिन में रीतेश श्रीवास्तव तैनात थे। बताया कि तीन दिन में 40 यात्री ठहरे हैं। वहीं, मालवीय रोड पर ओवरब्रिज के नीचे पुरुष व महिलाओं के लिए के लिए अलग–अलग रैन बसेरे बने हैं। महिलाओं के लिए चारपाई का इंतजाम है। यहां दिन में ठंड से परेशान पांच लोग सोए थे। यहां तैनात कर्मी अंगद सिंह ने बताया कि रात में ठहरने वालों की संख्या 70 से 80 तक पहुंच जा रही है। महिलाओं के न ठहरने पर उसमें लोग सोते हैं। दोनों स्थानों पर लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गई हैं। दोनों स्थानों पर रजाई, गद्दा, पानी तथा अलाव के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। वहीं, शहर में अलाव के इंतजाम नाकाफी हैं। जिले में प्रशासन की ओर से अलाव के लिए मात्र 125 स्थान चिह्नित किए गए हैं। तहसील देवरिया सदर को 4214, भाटपाररानी, रुद्रपुर, बरहज को 2800–2800 तथा सलेमपुर को 3800 कंबल वितरित करने के लिए मुहैया कराए गए हैं। कुछ 19 स्थानों पर रैनबसेरा संचालित किए जा रहे हैं।

बाइक सवार मां–बेटे को टेंपो ने मारी टक्कर, मासूम की मौत

रुद्रपुर। नगर के पूर्वी बाईपास पर दिन में टेंपो की टक्कर से इलाज कराने जा रहे मां–बच्चे गिर पड़े। हादसे में पांच साल के मासूम एजाज की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद टेंपो चालक फरार हो गया। मृतक का परिवार गोरखपुर जिले के गजपुर का रहने वाला है। गोरखपुर जिले के गजपुर गांव के हुसैन आलम विदेश में रहते हैं। घर पर उनकी पत्नी रफीकुल अपने दो बेटों उस्मान (10) और एजाज (5) वर्ष के साथ रहती हैं। फीकुल बड़े बेटे उस्मान को देवरिया इलाज कराने के लिए ले जा रहीं थीं। साथ में छोटा बेटा एजाज भी था। बाइक हुसैन आलम का भतीजा भोलू (25) चला रहा था। भोलू ने हेलमेट लगा रखा था। एजाज बाइक पर सबसे आगे टंकी पर बैठा था। नगर के पूर्वी बाईपास पर ब्रेकर के करीब बगल से गुजर रहे टेंपो ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए। बाइक से गिरने पर एजाज के सिर में गंभीर चोट लगी। इसकी वजह से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। राहगीरों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां उस्मान और भोलू का प्राथमिक उपचार करने के बाद चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटनास्थल से टेंपे चालक वाहन लेकर भाग निकला। बेटे की मौत के बाद बदहवास मां का रो–रोकर बुरा हाल था। जिगर के टुकड़े को मरते देखते रही शफीकुलः रुद्रपुर। नगर के पूर्वी बाईपास पर हुए सड़क हादसे में एक मां ने अपने जिगर के टुकडेध को खो दिया। हादसे में घायल मासूम ने मां की गोद में ही तड़पकर दम तोड़ दिया। टेंपो चालक की लापरवाही ने गोरखपुर जनपद के गजपुर के रहने वाले एक परिवार को ताउम्र न भूलने वाला जख्म दे दिया। मां एक बेटे का इलाज कराने जा रही थी और हादसे ने उसके दूसरे बच्चे को सदा–सदा के लिए उससे दूर कर दिया। सड़क हादसे में आंखों के सामने बेटे को लहूलुहान होते देखकर मां रफीकुल बदहवास थी। वह उस पल को कोस रही थी कि किसलिए वह दोनों बच्चों को लेकर इलाज कराने बाइक से जा रही थी। दुर्घटना में सिर पर गंभीर चोट होने से एजाज की मौके पर ही मौत हो गई थी। मां अपने बेटे को गोद से चिपकाए ही अस्पताल पहुंची। मां–बेटे की चीत्कार से अस्पताल में मौजूद लोगों की आंखें भी भर आईं। डॉक्टर के जांच करने के बाद भी मां को एहसास हो रहा था कि उसका बेटा अभी जिंदा है। उठकर उसे मां कहते हुए गले से लिपट जाएगा। वह घायल बेटे उस्मान को लेकर बार–बार चिकित्सक से मृतक बेटे एजाज का उपचार करने के लिए बोल रही थी। मां को रोते देख बड़ा भाई उस्मान भी दहाड़ें मार कर रोने लगा। रफीकुल रोते–रोते बेहोश हो जा रही थी। लोगों ने बड़ी मुश्किल से मां से बेटे का शव अलग किया। अस्पताल में मौजूद हर कोई इस हादसे को लेकर नियति को कोस रहा था।

जनपद में लगने वाले रोजगार मेलों का कराया जाय वृहद प्रचार प्रसारःडीएम

कुशीनगर। जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा माह की प्रगति समीक्षा तथा जनपद में वृहद रोजगार संवर्धन हेतु बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा हेतु विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट ली गई। उन्होंने इस संदर्भ में वाहन चालकों के स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र परीक्षण, विभिन्न शिक्षण संस्थानों में सड़क सुरक्षा संदर्भ में आयोजित प्रतियोगिताएं के संदर्भ में भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी मो0 अजीम तथा एआरएम पडरौना डिपो को जनपद के बस स्टैंड में टॉयलेट, यूरिनल, महिला शौचालय की सुविधाओं के बारे में जाना तथा साफ सफाई व मेंटेनेंस के निर्देश दिया। नगर निकाय कार्यालय व तहसीलों में शौचालय पुरुष, महिला की व्यवस्था हेतु अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैठक में जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार से जिलाधिकारी ने जनपद में रोजगार संवर्धन हेतु वृहद रोजगार मेलों के आयोजन के संदर्भ में जानकारी ली तथा जनपद में बृहद रोजगार मेलों के आयोजन के सापेक्ष आने वाली कंपनी तथा युवाओं को मिलने वाले रोजगार, वेतन आदि के संदर्भ में पूछा। जिलाधिकारी ने सेवायोजन पोर्टल पर रजिस्टर्ड लोगों की सूची निकालकर पंचायत सहायकों के माध्यम से इस संदर्भ में जागरूकता प्रसार के लिए कहा। अधिशासी अधिकारियों को आगामी रोजगार मेला के आयोजन हेतु बैनर, पोस्टर के माध्यम से चौक चौराहों पर प्रचार–प्रसार हेतु निर्देशित किया। कौशल विकास मिशन के तहत परियोजना निदेशक डूडा वेद प्रकाश यादव को प्रशिक्षण केंद्रों पर अधिकारियों के विजिट करवाए जाने हेतु निर्देशित किया। विदित हो कि जनपद में आगामी महीने में एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी देवीदयाल वर्मा व सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए आयोजित हुई बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। उपनगर गोला स्थित भाजपा कैंप कार्यालय पर गोरखपुर के स्नातक चुनाव के संयोजक अनिल भट्ट ने बताया कि गोला ब्लॉक बूथ 263 के संयोजक जिला कोषाध्यक्ष भाजपा के कार्यकर्ता मन से लग कर गोला ब्लॉक में सभी स्नातक गण से संपर्क कर पार्टी के प्रत्याशी की जीत के लिए ज्यादा से ज्यादा मत दिलाने का कार्य करें।बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष गोला देवेश निषाद व संचालन भाजपा जिला कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न कसौधान ने किया। इस अवसर पर गुलाब दत्त दुबे अमरमणि त्रिपाठी जितेंद्र गुप्ता प्रवीण सिंह ऋषिकेश साहनी जय शंकर तिवारी धनंजय मिश्रा नीलेश दुबे मनोज तिवारी परशुराम चंद मुकेश कुमार दुबे दयानंद तिवारी महेंद्र मद्धेशिया घनश्याम गुप्ता बृजमोहन कुमार सिंह रिंकू चौधरी कैलाश पासवान सहित अधिक संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फैजाबाद खंड स्नातक चुनाव को लेकर गोला ब्लॉक के भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की आयोजित हुई बैठक। जिसमें भाजपा के प्रत्याशी देवेंद्र प्रताप सिंह को भारी मतों से जीत के लिए बनाया गया रणनीति। बैठक में चिल्लूपार विधानसभा शत्रुघ्न कसौधन एवं मंडल अध्यक्ष गोला देवेश निषाद मंडल अध्यक्ष गोपालपुर संतोष तिवारी सहित सभी कार्यकर्ता बूथ संख्या 262 एवं बूथ संख्या 263 पर संचालन समिति बनाकर कार्य करने के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिया जाएगा। आगे कहा कि

मुख्य विकास अधिकारी ने किया अस्थायी गोवंश आश्रय का औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जयेंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खण्ड–बर्डपुर

के ग्राम पंचायत बर्डपुर न0 7 के टोला विशुनपुर में संचालित अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सुरेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, बर्डपुर, केशभान, ग्राम सचिव एवम ग्राम प्रधान प्रतिनिधि, केयर टेकर सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 50 गोवंश संरक्षित है। जिसमें एक पशु बीमार है, निर्देशित किया गया कि नियमित पशु चिकित्सक गौशाला का भ्रमण करे व पशुओं का स्वास्थ परिक्षण करे। गोवंश के लिए पर्याप्त भूसा नही था तथा भूसा घर भी खाली था। खण्ड विकास अधिकारी बताया गया कि अभी 50 कुंतल भूसा लिया गया है, जिसे ग्राम के रखा गया है। अत्याधिक ठंड के कारण भूसा घर खाली कराकर गोवंश रहने के लिए उपयोग किया जा रहा है, इसलिए भूसा घर खाली किया गया। गौशाला में भूसा न उपलब्ध होने के सम्बन्ध में रोष व्याप्त करते हुए सचिव को नोटिस जारी करने के निर्देश किया गया। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कम से कम 3 या 4 दिन का भूसा चारा गौशाला में रखा जाए। गोवश के लिए हरा चारा की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। गौशाला में ठड़ से बचाव के लिए तिरपाल का प्रबन्ध किया गया है एक स्थान पर अलाव की व्यवस्था कराया गया है। अलाव की संख्या और बढ़ाने की निर्देश दिया गया। परिसर में एक गड्ढे में एकत्र गोबर को कम्पोस्ट पिट में डालने के निर्देश दिया गया। खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से भ्रमण करें एवम तिरपाल, अलाव का प्रबंध करें।

अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन में चंद्र प्रकाश मणि को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

गोरखपुर। तीसरी आंख ह्यूमन राइट ऑर्गेनाइजेशन, मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं केआईपीएम गीडा के नेतृत्व में गोरखपुर

मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसर में स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अधिवेशन ष्मानवाधिकारष कार्यक्रम में चंद्र प्रकाश मणि को अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भारत देश को गोल्ड मेडल दिलाने पर हाईकोर्ट इलाहाबाद के न्यायमूर्ति डॉ गौतम चौधरी एवं नेपाल राष्ट्र के मेयर बैजू प्रसाद गुप्ता द्वारा मोमेंटो, साल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था के आयोजकों ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान मार्शल आर्ट खेल में चंद्र प्रकाश मणि ने भारत देश को गोल्ड मेडल दिलाने पर दिया गया है। उम्मीद है कि इसी तरह भारत देश की छवि चमकाने में श्री मणि कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पत्रकारों से बातचीत में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी चंद्र प्रकाश मणि ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाकर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। उन्होंने सम्मान देने वाले अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आगे भी इसी तरह देश के नाम अनगिनत पदक हासिल कर नामित करूंगा साथ ही विश्व में देश का नाम रोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। बधाई देने वालों में नसीम अंसारी, साहेब राम साहनी, जाकिर अली,शशांक सक्सेना, अतहर अली, अनुराग गौड़, सत्य प्रकाश पटेल, सहित देवरिया जनपद के तमाम ग्रामवासी एवं मित्रगण शामिल रहे।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशनः अध्यक्ष पद पर दो महामंत्री पर दो एवं कोषाध्यक्ष पद दो नामांकन पत्र आए

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र चुनाव सत्र 2022–23 के लिए आज लेने व जमा करने का कार्य गहमागहमी के बीच संपन्न हुआ। सहायक चुनाव अधिकारी पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंह एडवोकेट, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर फूल सिंह एडवोकेट, उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे विरेंद्र कुमार सिंह एडवोकेट, कोषाध्यक्ष पद पर टीटू प्रसाद गुप्ता एडवोकेट सचिव प्रकाशन महेश कुमार एडवोकेट व वरिष्ठ सदस्य कार्यकारिणी के लिए राजबहादुर सिंह एडवोकेट व गुलाब प्रसाद एडवोकेट एवम् कनिष्ठ सदस्य कार्यकारी के लिए अभिषेक सिंह ने नामांकन पत्र खरीदा एवम् अशोक कुमार कनौजिया एडवोकेट व रामचंद्र सिंह एडवोकेट अध्यक्ष पद हेतु, राजेंद्र कुमार यादव महामंत्री पद हेतु, चंद्र प्रकाश सिंह एडवोकेट वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु, फूल सिंह एडवोकेट उपाध्यक्ष 10 वर्ष से ऊपर, महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट एवं टीटी प्रसाद गुप्ता एडवोकेट कोषाध्यक्ष पद हेतु, मनोज कुमार जायसवाल एडवोकेट उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे वीरेंद्र कुमार सिंह एडवोकेट उपाध्यक्ष 10 वर्ष से नीचे, नवीन कुमार पांडे एडवोकेट सचिव प्रशासन के लिए तथा महेश कुमार सचिव प्रकाशन के लिए, राज बहादुर सिंह एडवोकेट व गुलाब प्रसाद एडवोकेट वरिष्ठ सदस्य कार्यकारिणी के लिए एवं अभिषेक सिंह कनिष्ठ सदस्य कार्यकारिणी के लिए नामांकन पत्र आज जमा हुए। वही जमा नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन व नामांकन प्रपत्र पर आपत्ति तथा जांच व आपत्ति निस्तारण 11 जनवरी 2023 तथा बौद्ध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन एवं नामांकन प्रपत्र वापसी तथा अंतिम सूची का प्रकाशन 12 जनवरी 2023 को इसी क्रम में मतदाता सूची का वितरण 13 जनवरी को 23 को किया जाएगा एवं मतदान 19 जनवरी 2023 को होना सुनिश्चित है। इसमें सुरेश सिंह सदस्य प्रधान न्यासी ई. प्रकाश पाण्डेय द्वारा नियुक्ति किया गया जो इस प्रकार है। रामप्रकाश दुबे वाराणसी, गोपाल सिंह वैद्य सोनभद्र, प्रभास द्विवेदी सोनभद्र, कुंजेश द्विवेदी प्रयागराज, संजय सिंह सोनभद्र, धीरेंद्र जायसवाल आदि इसके बाद पुनीत सिंह, संजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अनिल यादव, विक्रम सिंह, किसुन भारती, महेंद्र मौर्य मुख्य रूप से रहे।

तेजस्वी संगठन न्यास के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी का गठन, महायज्ञ अनुष्ठान की घोषणा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पूर्व नियोजित मासिक बैठक का आयोजन माँ राजेश्वरी शंकर धाम आश्रम करनवाह करमा सोनभद्र में आयोजित किया गया। जिसमें संगठन के सामाजिक, विकास व विस्तार पर वृहद चर्चा की गई। एवं आगामी कार्ययोजनावो पर भी विचार विमर्श किया गया। तेजस्वी संगठन न्यास के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी अध्यक्ष नित्यानंद द्विवेदी के द्वारा बोर्ड ऑफ ट्रस्ट सदस्य के गठन हेतु कुछ नामो को प्रस्तावित किया जिस पर अन्य न्यासकर्ता द्वारा सहमति जताते हुए 11 सदस्यों के नाम सहमति बनी जिन्हें तेजस्वी संगठन न्यास के बोर्ड का

लखनऊ, धर्मेंद्र सिंह सोनभद्र, चंद्रकांत मिश्र सोनभद्र, महेश कुमार पांडेय मिर्जापुर, लाल बिहारी पाण्डेय प्रयागराज, सौरभ यादव प्रयागराज, संजय सिंह सोनभद्र, कुंजेश द्विवेदी सोनभद्र, धीरेंद्र जायसवाल आदि इसके बाद पुनीत त्रिवेणी संगम प्रयागराज में शिविर का आयोजन 14 जनवरी को ध्वजपूजन के द्वारा सुभारम्भ किया जायेगा जिस पर बिचार बिमर्श किया गया। माँ राजेश्वरी शंकर धाम आश्रम में पूर्व की भांति माँ लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन 22 फरवरी 2023 से प्रारम्भ किया जाना सुनिश्चित किया गया। बैठक का संचालन गोपाल सिंह वैद्य राष्ट्रीय प्रचारक द्वारा किया गया बैठक की अध्यक्षता राजेन्द्र बहादुर सिंह बैठक में मुख्य अतिथि श्री श्री 108 सुग्रीवानंद महाराज राष्टीय अध्यक्ष तेजस्वी सेवार्थ सेवा आश्रम, विशिष्ठ अतिथि ई. प्रकाश पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी संगठन उपस्थित रविन्द्र बहादुर सिंह, संजय सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अनिल यादव, विक्रम सिंह, किसुन भारती, महेंद्र मौर्य मुख्य रूप से रहे।

केनरा बैंक अधिकारी संघठन द्वारा खेलकूद का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। केनरा बैंक अधिकारी संघठन द्वारा बैंक के संस्थापक

अमेम्बल सुब्बा राव पई के नाम से 12 बैंक के कर्मचारियों और अधिकारियों की सहभागिता द्वारा विभिन्न खेलों का आयोजन 9 जनवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक कुर्सी रोड स्थित माइक्रोलीटस्टेडियम लखनऊ मे होगा, जंहा सभी बैंक की महिलाएँ और पुरुष शतरंज, कैरम, टेबल टैनिस, बैडमिंटनऔर एथेलेटिक्स मे हिस्सा लेंगे। उक्त टूर्नामेंट का उदघाटन केनरा बैंक लखनऊ अंचल के उपमहाप्रबंधक लोकनाथ ने किया, इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक अमित अस्थाना जी भी उपस्थित रहे, दोनों ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी और सभी का उत्साह वर्धन भी किया। विषयक खेल प्रतियोगिता के आयोजक विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि खेल का मकसद आज के तनावपूर्ण बैंकिंग कार्यों से तनाव दूर करने मे खेलकूद सहायक रहेंगे तथा सभी बैंक के कर्मचारियों मे आपसी सम्बंध मजबूत होंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ केनरा बैंक लखनऊ और इंडियन ओवेरसीस बैंक के बीच क्रिकेट मैच खेलकर किया गया।

कैनवस वॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में ककरहवा ने ठाकुरपुर को 4 विकेट से हराया

मंगलवार को खेला गया क्वार्टर फाइनल मैच

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर,सिद्धार्थनगर। भारत रत्न स्व अटल बिहारी वाजपेयी कैनवस वॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मैच मगंलवार को दूसरी पारी में कौशल क्रिकेट क्लब मोहना व सईद इलेवन क्रिकेट क्लब पिपरी के बीच खेला गया। जिसमें टास जीतकर पिपरी ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करके हुए पिपरी के खिलाड़ियों ने बैटिंग करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 96 रन बनाए। जबाब में मोहना की टीम के खिलाड़ियों ने 6 विकेट खोकर 5 गेंद शेष रहते 97 रनों लक्ष्य हासिल कर लिया। उक्त मैच में 16 रन नाबाद और तीन विकेट लेने वाले मजहर को मैन आफ द मैच चुना गया। इस दौरान नितेश पांडेय, अमित उपाध्याय, सत्यप्रकाश राही, राजकमल जयसवाल, प्रवेश शुक्ला, रजत तिवारी, विनय वर्मा, अखिलेश जयसवाल, विवेक गोस्वामी, संतोष उपाध्याय, सोनू गोस्वामी, शिवकुमार यादव, जाकिर हुसैन, अमरजीत, देवकुमार, बृजेश सिंह, मंटू यादव सहित हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

आटो से गिर कर महिला की मौत, परिजनों में कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा,सोनभद्र। आटो से जा रही महिला रास्ते में गिरी मौत मुन्नी पत्नी रमेश निवासी उचका थाना शाहगंज उम्र 50 जो शाहगंज से आटो द्वारा टमाटर मिर्च तोड़ने के लिए राजगढ़ जा रही थी झकाही मठ के समीप आटो से नीचे गिर गयी लोगों के द्वारा अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया सुचना पर पहुची करमा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पी एम के लिए मर्चरी भेजा गया घटना बृहस्पति वार सुबह लगभग 9 बजे की बताई गयी परिजनों में शोक की लहर।

सोनभद्र गौरव सम्मान से सम्मानित हुए डा. चन्द्र भूषण देव पांडेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिले के राबर्ट्सगंज नगर के ख्याति लब्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डा.चन्द्र भूषण देव पाण्डेय को विगत दिनो वाराणसी में हुए एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। बताते चलें कि नगर स्थित जय गंगा होमियो हाल किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इनकी गणना शहर के प्रतिष्ठित व योग्य चिकित्सको में की जाती है। डा0 चन्द्र भूषण देव पाण्डेय बहुत ही कुशल और जानकार होमियोपैथिक चिकित्सक हैं। रविवार को देर शाम तक चले वाराणसी के ताज होटल में हुए एक कार्यक्रम में

सोनभद्र गौरव सम्मान से डा0 चन्द्र भूषण देव पाण्डेय को सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त अन्य लोग भी सम्मानित हुए। इस कार्यक्रम में देश की अनेक महान विभूतियां मौजूद रही। इस सम्मान से सोनभद्र के लोगो ने हर्ष व्यक्त किया है।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

रोजगार पाने के लिए अभ्यर्थी करें आवेदन–जिला रोजगार सहायता अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी आशा वर्मा ने बताया कि मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन के आदेशानुसार बलरामपुर जिले के 04 आकांक्षात्मक विकास खण्डों (बार्डर क्षेत्र) में रोजगार मेले का आयोजन किया जाना है, जिसमें निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक 12 जनवरी, 2023 को कार्यालय, खण्ड विकास अधिकारी गैंसड़ी जनपद बलरामपुर में प्रातः 11:00 बजे से कार्यालय जिला सेवायोजन, रा0आई0टी0आई0 उ0प्र0 कौशल विकास मिशन बलरामपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हाईस्कूल, इण्टर, स्नातक, परास्नातक, आई0टी0आई0 उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों को सेवायोजित कराने हेतु कई कम्पनियां प्रतिभाग करेगी। बेरोजगार अभ्यर्थी रोजगार मेले में प्रतिभाग करने हेतु अपनी योग्यतानुसार सेवायोजन पोर्टल मूंलवरंद.नच.दपब. पद पर ऑनलाइन पंजीयन करा कर कम्पनी में ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। अभ्यर्थी अपनी समस्त शैक्षिक योग्यता की छायाप्रति एवं प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, दो फोटो सेवायोजन कार्यालय पंजीयन रसीद सहित रोजगार मेले सम्मिलित हो सकते है।

हिन्दी गौरव रत्न सम्मान से सम्मानित हुएः राम अनुज धर द्विवेदी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 10 जनवरी के शुभ अवसर पर श्हिन्दुस्तान जनता न्यूजश् के प्रधान संपादक गौतम विश्वकर्मा द्वारा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन हेतु अधिवक्ताध पत्रकार राम अनुज धर द्विवेदी को श्हिन्दी गौरव रत्न सम्मान–2023 से सम्मानित किया गया। तथा इनके सुखमय जीवन की कामना की गयी। बताते चलें कि द्विवेदी द्वारा हिंदी दैनिक समाचार पत्र स्टैंडर्ड न्यूज व नई पीढ़ी हिंदी मासिक पत्रिका के जिला संवाददाता व आल इंडिया प्रेस रिपोर्टर वेलफेयर एसोसिएशन सोनभद्र के जिलाध्यक्ष है। प्रधान संपादक विश्वकर्मा ने बताया कि पत्रकार बंधुओं को सम्मानित करने का मुख्य उद्देश्य हिन्दी लेखन के प्रति उनके मनोबल को बढ़ावा देना था। हिन्दी का विश्व में प्रचार–प्रसार हो।इस अवसर पर अनेक लोगों ने बधाई दिया।

एक हजार एक जरूरतमंदो मे किया गया कम्बल का वितरण व भण्डारा

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा,सोनभद्र। करमा ब्लाक के सिरसिया ठकुराई ग्राम पंचायत के किरहिया पहड़ी पर मंगलवार को समाज सेवी व पूर्व जिला पंचायत सदस्य मधुपुर श्री राजकुमार यादव के द्वारा एक हजार एक जरूरतमंदो मे कंबल का वितरण कर विशाल भण्डारे का व्यवस्था किया गया। उन्होंने बताया की नर सेवा ही नारायण सेवा होता है। अपने लिए तो हर एक लोग जीते है लेकिन सच्चा इंसान वही होता है जो गरीबो जरूरतमंदो के काम आवे। उन्होंने बताया की कंबल वितरण लिस्ट लगभग बीस ग्राम पंचायतो मे जाकर मै स्वयं चिन्हित किया हूँ। वही कंबल पाकर गदगद हुए मुबारकपुर निवासी रच्चन भारती ने बताया की राजकुमार यादव के द्वारा प्रत्येक वर्ष भीषण ठंढ को देखते हुए गरीबो मे कंबल का वितरण व निर्धन कन्याओं का विवाह भी कराया जाता है। कार्यक्रम का संचालन रामकेश पनिका द्वारा किया गया इस मौके पर सोनाँचल उत्थान एवं विधिक सेवा ट्रस्ट के संस्थापक मनोज कुमार दीक्षित राजन चौबे, रोहित चौहान, अमित कुमार, धीरज गुप्ता,मुन्ना पटेल, राहुल चौहान, सुभाष यादव, बंटी खान सहित हजारों की संख्या मे पुरुष व महिलाए उपस्थित रही।

क्या आप भी कर रहे हैं कड़ाके की ठंड में हीटर का इस्तेमाल, जान लें इसके नुकसान

बीते कुछ दिनों में मौसम ने करवट बदली हैं और कड़ाके की ठण्ड पडनी शुरू हो गई हैं। ठिठुरने वाली इस सर्दी में सभी रजाई और कंबल से बाहर निकलना भी पसंद नहीं करते हैं। ऐसी सर्दियों में खासतौर से बुजुर्गों और बच्चों का ख्याल रखने की जरूरत होती हैं। सर्दियों में गर्माहट पाने के लिए लोग रूम हीटर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप जानते है की इस हीटर से निकलने वाली गर्म हवा आपकी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। जी हां, हीटर के कई साइड इफेक्ट भी हैं जो बढ़ते हुए जानलेवा भी साबित हो सकते हैं। आज इस कड़ी में हम आपको हीटर से होने वाले नुकसान और इसे इस्तेमाल करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी के बारे में बताने जा रहे हैं। आइये जानते हैं...

आंखों में होने लगती हैं खुजली

हीटर के लगातार चलने से कमरे में मौजूद हवा में नमी खत्म हो जाती है। इसे त्वचा के साथ आंखों की नमी भी खत्म होने लगती है और आंखों में जलन और खुजली होने लगती है। इसलिए हीटर चलाने पर कमरे में पानी भरकर जरूर रखें अगर आंखों में खजली हो रही है तो उसे मसलने की जगह उसमें पानी के छीटें मारें। मसलने से आंखे लाल भी हो सकती हैं।

सांस के मरीजों के लिए घातक

रूम हीटर और अंगीठी से निकलने वाली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस सांस की नली के जरिये शरीर में पहुंचकर श्वसनतंत्र व अस्थमा के मरीजों के लिए घातक साबित हो सकती है। ब्रोंकाइटिस और साइनस से जूझ रहे लोगों की एलर्जी रूम हीटर से बढ़ सकती है। ऐसे लोगों को हीटर के पास बैठने

पर कफ बनने लगता है। साथ ही छींक और खांसी आने लगती है। इसके अलावा हृदय से जुड़ी बीमारियों का इलाज करा रहे और स्मोकिंग करने वाले लोगों को रूम हीटर चलाकर सोने से कई तरह के खतरे बढ़ जाते हैं।

स्किन हो जाती है ड्राई

रूम हीटर्स हवा में मौजूद नमी को सोखकर उसे ड्राई बना देते हैं। इसका असर त्वचा पर भी पड़ता है। हीटर में ज्यादा देर रहने से त्वचा भी ड्राई हो जाती है। इतना ही नहीं ड्राई होने पर त्वचा पर तरह–तरह के इंफैक्शन होते हैं। अगर आपको रूम हीटर चला ही है तो आपको पहले कमरे में एक बाल्टी पानी भर कर रखना चाहिए ताकि कमरे मे नमी बनी रहे। इसके साथ कमरे के खिड़की दरवाजो को पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। उन्हें थोड़ा खोल कर रखना चाहिए ताकि बाहर से हवा अंदर आती रहे और वेन्टिलेशन बना रहे।

त्वचा पर हो सकती हैं झुर्रियां

जाड़े के मौसम हीटर भले ही थोड़ी राहत पहुंचाता है मगर इसे लगातार इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा पर झर्घरियां पड़ सकती हैं। दरअसल, हीटर से निकलने वाली गैस त्वचा की क्वालिटी को खराब करती हैं और सौंलग टिशूज को खराब कर देती है। ये टिशूज त्वचा के अंदर होते हैं और इनके खराब होने से पिगमेंटेशन की दिक्कत हो जाती है। हीटर का इस्तेमाल कर भी रही हैं तो कुछ देर के लिए ही करें।

दम घुटने की समस्या

इलेक्ट्रीक हीटर्स रूम में मौजूद हवा की नमी को सोखकर हवा को ड्राई बना देते हैं। ऐसे में वैसे लोग जो पहले से ही सांस संबंधी किसी तरह की बीमारी से पीडिघ्त हैं उन्हें सफोकेशन यानी दम घुटने की दिक्कत महसूस होने लगती है। इस परेशानी से बचने के लिए आपको हीटर इस्तेमाल करते वक्त रूम में एक बाल्टी भरकर पानी रखना चाहिए। साथ ही हीटर यूज करते वक्त सभी खिड़की–दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं कर देने चाहिए बल्कि थोड़ा बहुत वेन्टिलेशन जरूर रखना चाहिए।

इन बातों को ध्यान में रखे करें हीटर का इस्तेमाल

– अगर आप हीटर खरीद रहे हैं, तो कोशिश करें कि आप ऑयल हीटर खरीदें। इस तरह के हीटर हवा को शुष्क नहीं होने देते हैं।

– हमेशा ध्यान रखें कि पूरी रात हीटर जलाकर न सोएं। आप सोने से एक–दो घंटे पहले इसे जलाकर रूम गर्म कर सकते हैं। लेकिन सोने से पहले इसे ध्यान से बंद कर दें।

– जब भी हीटर चलाएं तो उसके आसपास एक बर्तन या कटोरी में पानी भरकर रख दें। इससे हवा में नमी बनी रहेगी और यह रूखेपन से बच सकेगी ।

– हीटर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो अपनी त्वचा को अच्छी तरह से मॉइस्चराइज करें, ताकि यह सूखे नहीं। साथ ही आंखों की समस्या होने पर डॉक्टर से मिलें।

– अस्थमा या हार्ट संबंधी समस्याओं से जूझ रहे व्यक्ति जितना हो सके कम से कम हीटर का इस्तेमाल करें।

प्यासे के साथ नरगिस फाखरी करेंगी 2023 की शुरूआत

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी 2023 की शुरूआत अपने नए म्यूजिक वीडियो प्यासे के साथ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पर काम करना बेहद शानदार था। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर साझा

किया, जुड़े रहने के लिए अभी ट्यून करें। बोहेमिया और प्रीत इंदर के साथ इसे शूट करना एक धमाकेदार अनुभव रहा। म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के अपने अनुभव को साझा करते हुए नरगिस ने कहारू अनुभव शानदार, मजेदार और यादगार था। मैं फैंस की ओर से सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सराहना पाने के लिए बहुत उत्साहित हूं।मैं इस म्यूजिक एल्बम प्यासे को सबके साथ शेयर करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। प्यासे को बोहेमिया और प्रीतिंदर ने गाया है, संगीत रजत नागपाल ने दिया है और गीत परम ने लिखे हैं। नरगिस ने 2011 में रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में कदम रखा था। बाद में उन्होंने राजनीतिक थ्रिलर मद्रास कैफे, कॉमेडी फिल्म मैं तेरा हीरो, स्पाई और हाउसफुल 3 में अभिनय किया। 43 वर्षीय एक्ट्रेस को आखिरी बार गिरीश मलिक द्वारा निर्देशित एक एक्शन थ्रिलर फिल्म टोरबाज में देखा गया था, जिसमें संजय दत्त एक मेडिकल प्रोफेशनल की भूमिका निभाते हैं, जिसने काबुल में भारतीय दूतावास में रखे जाने के दौरान अपनी पत्नी और बेटे को खो दिया था।

जूनियर एनटीआर के साथ एनटीआर 31 में नजर आ सकते हैं आमिर खान

वर्ष 2023 में रिलीज होने वाली फिल्मों में बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री का कॉम्बिनेशन दिखने वाला है। शाहरुख खान ने फिल्म जवान के लिए साउथ निर्देशक एटली से हाथ मिलाया है, वहीं प्रभास ने फिल्म आदिपुरुष के लिए निर्देशक ओम राउत के साथ प्रोजेक्ट साइन किया है। अब खबर आ रही है कि केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले एक्टर आमिर खान को अप्रोच किया है। निर्देशक प्रशांत ने साल 2022 की शुरुआत में जूनियर एनटीआर के साथ अपने प्रोजेक्ट एनटीआर31 की घोषणा की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, इसी फिल्म के लिए प्रशांत ने आमिर को अप्रोच किया है, हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बारे कोई जानकारी नहीं दी गई है। यदि यह खबर सही निकलती है तो प्रशांत के निर्देशन में जूनियर एनटीआर और आमिर को एक साथ बड़े पर्दे पर देखना काफी दिलचस्प होगा। रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि प्रशांत, फिल्म सालार का काम पूरा करने के बाद अगले साल अप्रैल में एनटीआर31 पर काम शुरू करेंगे। क्या आमिर ने इस फिल्म के लिए हां कह दी है? वह, प्रशांत की फिल्म में किस तरह का रोल अदा करने वाले हैं? इन तमाम सवालों के जवाब अभी नहीं मिले हैं। सूत्रों की मानें तो अभी प्रशांत फिल्म सालार के पोस्ट प्रोडक्शन के काम में व्यस्त हैं।

याद दिला दें, आमिर ने फिल्म सलाम वेंकी के प्रीमियर के दौरान ब्रेक लेने की बात कही थी। उन्होंने कहा था, मैं पिछले कई सालों से लगातार काम कर रहा हूं और अब मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं। जहां तक अभिनय की बात है तो मैं एक साल बाद फिल्मों में वापसी करूंगा। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अभिनेता, प्रशांत की इसी फिल्म के जरिए वापसी करने वाले हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो एसएस राजामौली की आरआरआर के तुरंत बाद जूनियर एनटीआर ने निर्देशक कोराताला शिवा की फिल्म एनटीआर 30 साइन कर ली थी। अभी इस फिल्म के प्री–प्रोडक्शन का काम चल रहा है। प्रशांत, इस वक्त प्रभास और श्रुति हासन की बिग बजट फिल्म सालार में व्यस्त है। सालार और एनटीआर 31 के बाद प्रशांत के खाते में केजीएफ फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म केजीएफ चौप्टर 3 है।

शाहिद कपूर की वेब सीरीज फर्जी का मोशन पोस्टर जारी

अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी वेब सीरीज फर्जी को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज के जरिए वह अपना डिजिटल डेब्यू करने वाले हैं। अब मेकर्स ने फर्जी का मोशन पोस्टर जारी कर दिया। इसके साथ राशि खन्ना और केके मेनन का फर्स्ट लुक भी

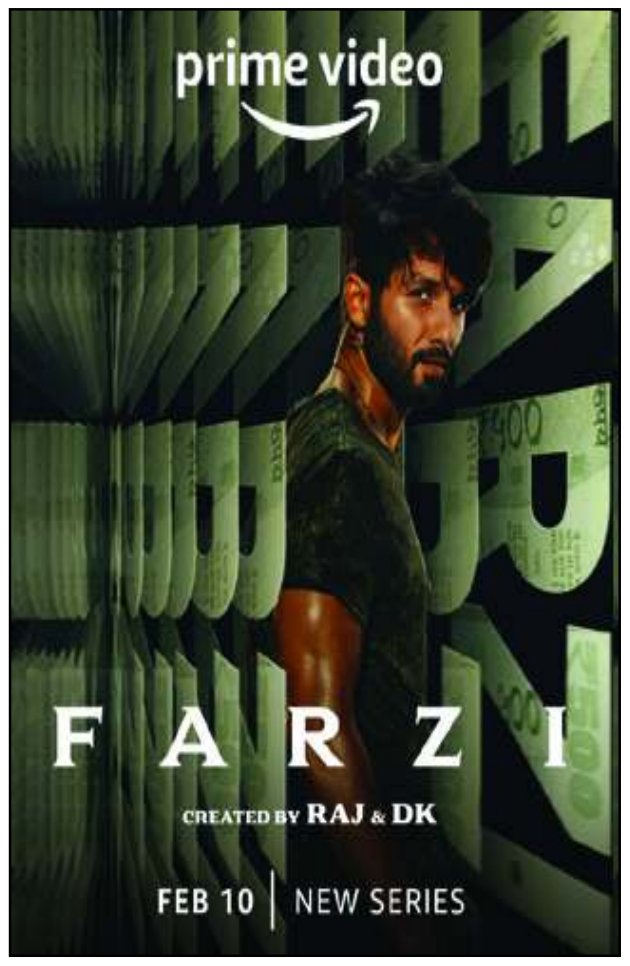

सामने आ चुका है। फर्जी का मोशन पोस्टर अमेजन प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए लिखा, असली और फर्जी के बीच की लाइनें यहां से ब्लर हो रही हैं।

मोशन पोस्टर में शाहिद और विजय सेतुपति के अलावा राशि और मेनन का लुक भी जबरदस्त है। बता दें, यह वेब सीरीज 10 फरवरी को रिलीज हो रही है। इस वेब सीरीज को राज और डीके ने बनाया है। इससे पहले इस जोड़ी ने द फैमिली मैन और द फैमिली मैन 2 का निर्माण किया था। फर्जी एक रोमांचक क्राइम थ्रिलर सीरीज है। इसमें अमोल पालेकर, रेजिना कैसेंड्रा और भुवन अरोड़ा जैसे कलाकार भी हैं।

डायबिटीज से लेकर वजन कम करने तक कई है अमरुद के फायदे

सर्दियों के मौसम में बहुत से नए–नए फल आते हैं, जो खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होते हैं. अमरूद जैसे फल खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होते हैं और इसका सेवन करने से स्वास्थ्य लाभ भी कई सारे मिल जाएंगे. अमरूद खाने से मौसम बदलने के समय होने वाले साइड इफेक्ट्स से लडने में शरीर को सहायता मिल जाती है. ब्लड शुगर लेवल, दिल की सेहत के लिए और डाइजेस्टिव हेल्थ के लिए अमरूद का सेवन करना बहुत लाभदायक होता है. अमरूद में फाइबर, विटामिन सी, पोटेशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स और ऐसे ही बहुत सारे पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक साबित होते है . आइए जानते हैं अमरूद का सेवन करने से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में.

डायबिटीज– अमरुद डायबिटीज से बचाने में मददगार, अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और इस कारण ब्लड शुगर लेवल अधिक नहीं बढ़ पाता है.

पेट के लिए– बाउल मूवमेंट में लाभदायक अमरूद में डाइट्री फाइबर की मात्रा अधिक देखने के लिए मिलती है और यह लैक्सेटिव गुणों से भी भरपूर हो रहा है. इसलिए सुबह कब्ज जैसी स्थिति से बचने के लिए रोज अमरूद खा पाएंगे.

मोटापा– वजन कम करने के लिए सहायक अमरूद भी होता है, लेकिन इसमें प्राकृतिक शुगर पाई जाती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बिलकुल भी नहीं होती है. साथ ही इसे खाने से पेट भर जाता है. जिस कारण ज्यादा ओवर ईटिंग से बचाव होता है.

तनाव– अमरुद स्ट्रेस कम करने में सहायक साबित होता है. अमरूद में मैग्नीशियम पाया जाता है जो स्ट्रेस कम करने में काफी लाभदायक माना जाता है. इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं.

इम्यूनिटी– इम्यूनिटी बढने में अमरुद लाभदायक कहा जाता है, विटामिन सी जैसे मिनरल्स से अमरूद भरपूर होते हैं. विटामिन सी को एंटी ऑक्सीडेंट कहा जाता है और यह शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है.